RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:128 ता. 13 नवम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## बीजेपी ने छह उम्मीदवारों की सूची की जारी

**गांधीनगर।** गुजरात विधानसभा चुनाव में एक महीने का समय भी नहीं बचा है। सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं। गुरुवार को बीजेपी ने 160 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। शनिवार को पार्टी ने छह और उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है।

**किसे कहां से मिला टिकट**

बीजेपी ने धोराजी सीट से श्री महेंद्रभाई पाडलिया, खंभालिया से श्री मूलुभाई बेरा, कुतियाना से श्रीमती ढेलिबेन मालदेभाई ओडेदरा, भावनगर पूर्व से श्रीमती सेजल राजीव कुमार पांड्या, डेडियापाड़ा से श्री हितेश देवजी वसावा और चोर्यासी से श्री संदीप देसाई को टिकट दिया है।

**बीजेपी ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची**

बीजेपी ने गुजरात विधानसभा के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, शिवराज सिंह चौहान, निरहुआ, रवि किशन, मनोज तिवारी, हेमा मालिनी, योगी आदित्यनाथ, देवेंद्र फडणवीस, विजयभाई रुपाणी, नितिन पटेल, तेजस्वी सूर्या, हिमंस बिस्व सरमा, भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान आदि के नाम शामिल हैं।

**प्रत्याशियों के चयन से नाराजगी**

गुजरात में 182 सीटों के लिए दो चरणों में चुनाव होने हैं। पार्टी ने काफी मंथन के बाद उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। हालांकि उम्मीदवारों के चयन से बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं का एक वर्ग नाराज है। इनमें से कुछ निर्दलीय के तौर पर मैदान में उतरने की घोषणा कर चुके हैं। वडोदरा जिले की वाघोड़िया विधानसभा सीट के मौजूदा विधायक मधु श्रीवास्तव ने टिकट कटने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

# प्रधानमंत्री ने हिमाचल के मतदाताओं से नया कीर्तिमान बनाने की अपील की

● मोदी ने ट्वीट में कहा, आज हिमाचल प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के लिए मतदान का दिन है। मैं देवभूमि के सभी मतदाताओं से पूरे जोश के साथ लोकतंत्र के त्योहार में भाग लेने और मतदान का नया कीर्तिमान बनाने का अनुरोध करता हूं। प्रधानमंत्री ने उन युवा मतदाताओं को भी बधाई दी जो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा, इस अवसर पर पहली बार मतदान करने वाले राज्य के सभी युवाओं को मेरी विशेष शुभकामनाएं।

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पहली बार मतदान करने वालों को बधाई देते हुए हिमाचल प्रदेश के मतदाताओं से राज्य में चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, आज हिमाचल प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के लिए मतदान का दिन है। मैं देवभूमि के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ भाग लेने और मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा, आज पहली बार मतदान करने वाले राज्य के सभी युवाओं को मेरी विशेष शुभकामनाएं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करके मजबूत सरकार चुनने का आग्रह किया। शाह ने कहा, एक मजबूत और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार ही हिमाचल प्रदेश को विकास में सबसे आगे रखकर देवभूमि के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकती है। मैं हिमाचल के मतदाताओं, विशेषकर माताओं, बहनों और युवाओं से अपील करता हूं कि वे एक मजबूत सरकार का चुनाव करें। राज्य के सुनहरे भविष्य के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। चुनाव में 412 उम्मीदवारों में से 24 महिलाएं और 388 पुरुष उम्मीदवार हैं। कुल 55,92,828 मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। इनमें से 193,106 पहली बार 18-19 साल की उम्र के मतदाता हैं। 80 साल से ऊपर के 121,409 मतदाता हैं, जबकि 56,501 दिव्यांग मतदाता हैं। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। मतदान के शांतिपूर्ण संचालन के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 67 कंपनियों और 11,500 से अधिक राज्य पुलिस कर्मियों सहित लगभग 30,000 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 44, कांग्रेस ने 21, सीपीएम ने एक और निर्दलीय ने दो सीटें जीती थीं। 2017 के मतदान में वोटिंग प्रतिशत 75.57 प्रतिशत था।

## प्रियंका गांधी की मतदाताओं से अपील, हिमाचल के लोग सूझबूझ से मतदान करें और भविष्य बनाने में योगदान दें

**नई दिल्ली।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने हिमाचल प्रदेश के लोगों से सूझबूझ से मतदान की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि वे राज्य के भविष्य को बनाने में योगदान दें। राज्य में कांग्रेस के चुनाव प्रचार की कमान संभालने वाली प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया, प्रिय हिमाचल वासियों, आप सब अपने व अपने प्रदेश के हालातों को भलीभांति समझते हैं। अपनी परिस्थितियों को देखते हुए पूरी सूझबूझ से मतदान का कर्तव्य निभाएं व हालातों को बदलने व हिमाचल के भविष्य को बुनने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। जय हिंद। जय हिमाचल। हिमाचल प्रदेश की सभी 68 विधानसभा सीटों के लिए आज मतदान हो रहा है। मतगणना आठ दिसंबर को होगी। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शनिवार को राज्य के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हर वोट समृद्ध हिमाचल का निर्माण करेगा। ठाकुर ने ट्वीट किया, प्रिय प्रदेशवासियों आज मतदान का दिन है। हिमाचल के सभी मतदाताओं से मेरा विनम्र आग्रह है कि पूरे उत्साह के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लें। भारी संख्या में मतदान करें, आपका एक मत समृद्ध हिमाचल का निर्माण करेगा। हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों के लिए सुबह आठ बजे मतदान शुरू हो चुका है और शाम पांच बजे तक जारी रहेगा।

## सत्येंद्र जैन को बेल मिलेगी या जेल, याचिका पर 16 नवंबर को आएगा फैसला

**नई दिल्ली।** मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन और अन्य की जमानत याचिकाओं पर शनिवार को फैसला 16 नवंबर के लिए सुरक्षित रख लिया। जैन ने अदालत से जमानत देने का आग्रह करते हुए कहा कि अब उन्हें हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश विकास ढुल की अदालत ने सत्येंद्र जैन के साथ ही वैभव जैन व अंकुश जैन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय सहित आरोपी व्यक्तियों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया है। न्यायाधीश ने तिहाड़ जेल के अधीक्षक को अगली सुनवाई पर अदालत के समक्ष पेश होने को कहा है। इस मामले की सुनवाई के दौरान, सत्येंद्र जैन की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने शुक्रवार को अदालत से कहा कि उन्हें अब और जांच की आवश्यकता नहीं है और उन्हें आगे हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। जांच एजेंसी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 2017 में जैन के खिलाफ दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

**ईडी ने क्या दलील दी**

ईडी ने बुधवार को अदालत को बताया था कि आप नेता को तिहाड़ के अंदर विशेष सुविधा मिल

रही है। जांच एजेंसी ने जैन की जमानत याचिका का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला स्पष्ट रूप से बनाया गया है। ईडी ने अंकुश और वैभव द्वारा दायर जमानत याचिकाओं का भी विरोध करते हुए कहा है कि राहत मिलने पर वे न्याय से भाग सकते हैं या सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

## राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई से कांग्रेस असहमत, सिंघवी बोले- पार्टी की राय द्रमुक से भिन्न

**नई दिल्ली।** राजीव गांधी के छह हत्यारों की रिहाई से कांग्रेस असहमत है। पार्टी ने जहां सरकार से पूछा है कि क्या वह सुप्रीम कोर्ट के रिहाई के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेगी? वहीं, वरिष्ठ वकील व कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सोनिया व प्रियंका गांधी ने भले ही दोषियों को माफ कर दिया हो, लेकिन पार्टी इस फैसले से संतुष्ट नहीं है। मामले में कांग्रेस की राय द्रमुक से अलग रही है।

सिंघवी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के रिहाई के फैसले ने देश की आत्म को झकझोर दिया है। उन्होंने उस उक्ति को दोहराया कि %न्याय न सिर्फ होना चाहिए, बल्कि वह होते हुए दिखना भी चाहिए। रिहाई का एकतरफा पूर्ण अधिकार नहीं है। हर मामला परिस्थितियों पर निर्भर करता है। सिंघवी ने कहा कि रिहाई के खिलाफ जो भी कानूनी कार्रवाई संभव होगी, हम वह करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई को लेकर कांग्रेस की राय तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी की सहयोगी पार्टी द्रमुक की राय से हमेशा भिन्न रही है।

**माफी के सोनिया के विचार से सहमत नहीं**

सिंघवी हत्यारों को सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी द्वारा सार्वजनिक रूप से माफ करने से भी असहमत दिखे। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के अपने विचार हैं, लेकिन पार्टी उस विचार से सहमत नहीं है। हम उनके दृष्टिकोण का सम्मान करते हैं। इस मामले में तमिलनाडु और कांग्रेस का रुख हमेशा अलग रहा है।

**सुरजेवाला ने पूछे पीएम से चार सवाल**

उधर, कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने भी राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों की रिहाई के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संविधान के बुनियादी सिद्धांतों की अनदेखी बताया। उन्होंने इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चार सवाल पूछते हुए कहा है कि क्या केंद्र की भाजपा सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार याचिका देगी। सुरजेवाला ने कहा कि राजीव गांधी के हत्यारे उग्रवादियों को जेल से रिहा करने का निर्णय अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। आज उग्रवाद के खिलाफ लड़ने की हर देशवासी की मूल भावना हार गई और सबसे युवा पीएम की हत्या के घाव फिर हरे हो गए।

उन्होंने सवाल उठाए कि क्या प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार पूर्व पीएम राजीव गांधी के हत्यारे उग्रवादियों की रिहाई का समर्थन करती है? मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से अपना पक्ष क्यों नहीं रखा? क्या उग्रवाद पर मोदी सरकार का ये दोहरा रवैया नहीं है? क्या भाजपा सरकार निर्णय पर पुनर्विचार याचिका देगी?

## राजस्थान के सभी जिलों में साइबर थाने खोलने की मंजूरी दी गई : डीजीपी

**नई दिल्ली।** राजस्थान सरकार ने सभी जिलों में साइबर थाने खोलने की स्वीकृति दे दी है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा ने शनिवार को बताया कि साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिये राज्य सरकार ने शुक्रवार को 32 जिलों में साइबर थाने खोले जाने को मंजूरी प्रदान कर दी है। जयपुर में पहले से ही साइबर थाना स्थापित है। मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य के सभी जिलों में साइबर थाने खोले जाने से साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी ढंग से कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के तत्काल बाद ही अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मंशा जाहिर की थी। मिश्रा ने एक बयान में बताया कि साइबर थानों में तैनात किए जाने वाले अधिकारी एवं पुलिस कर्मी संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक एवं जयपुर व जोधपुर

के साइबर थानों के अधिकारी एवं पुलिस कर्मी संबंधित कमिश्नरेट के उपायुक्त (डीसीपी) के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में कार्य करेंगे। साइबर थानों के थानाधिकारी पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी होंगे।

## तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट, 26 जिलों के स्कूल और कॉलेज में छुट्टी; जलभराव की है स्थिति

**नई दिल्ली/चेन्नई।** तमिलनाडु में पिछले कई दिनों से जमकर बारिश हो रही है। बारिश के चलते राज्य के कम से कम 26 जिलों ने चेन्नई सहित स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज भी पूरे राज्य में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आइएमडी द्वारा अलर्ट जारी किए जाने के बाद प्रशासन ने स्कूलों में छुट्टी घोषित करने का निर्णय लिया है।

**राज्य के इन जिलों के स्कूल-कालेजों में है छुट्टी**

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, शिवगंगा, डिंडीगुल, मदुरै और अन्य जिलों में स्थित स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई है। तिरुवल्लूर के जिला

कलेक्टर ने शुक्रवार को कल (शनिवार) के लिए बारिश के पूर्वानुमान के आधार पर तिरुवल्लूर जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में शनिवार के लिए छुट्टी की घोषणा की है।

**बारिश के चलते पुडुचेरी के स्कूलों में भी छुट्टी की घोषणा**

रिपोर्टों के अनुसार कांचीपुरम और मदुरै जिलों में स्कूल और कॉलेज दोनों बंद रहेंगे। हालांकि, शिवगंगा और डिंडीगुल जिलों में केवल स्कूल बंद रहेंगे। इस बीच, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने भी भारी बारिश को देखते हुए सभी स्कूलों और कॉलेजों में आज छुट्टी की घोषणा की है। पुडुचेरी में भीषण जलभराव की वजह से बारिश की तस्वीरें भी सामने आई हैं।

**मौसम में हो रहा परिवर्तन**

आईएमडी ने श्रीलंका के तट से दूर बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर संबंधित चक्रवाती परिसंचरण के साथ एक कम दबाव के क्षेत्र की सूचना दी है। इसके चलते अगले 24 घंटों में बारिश तेज होने की संभावना है।

**दक्षिण-पश्चिम खाड़ी पर बना हुआ है निम्न दबाव का क्षेत्र**

आईएमडी ने ट्विटर पर लिखा कि श्रीलंका तट से दूर बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जो संबंधित चक्रवाती परिसंचरण के साथ मध्य-क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके और अधिक तेज होने की संभावना है।

# राष्ट्रपति के लुक पर टीएमसी नेता ने किया कमेंट, पूछा- हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के मंत्री और TMC नेता अखिल गिरि ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू पर विवादित टिप्पणी की है, जिसके बाद वे विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने नंदीग्राम में राष्ट्रपति के लुक को लेकर टिप्पणी की। अखिल गिरी ने कहा- हम किसी को उनकी शक्ल से नहीं आंकते, हम भारत के राष्ट्रपति के पद का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं? TMC नेता के इस बयान के बाद CM ममता बनर्जी की भी किरकिरी हो रही है। इस मामले में भाजपा ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने ममता को आदिवासी विरोधी बताया।

**क्या है पूरा मामला**

दरअसल TMC नेता शहीद दिवस समारोह के मौके पर नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर उन्हें संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बंगाल में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि वह (सुवेंदु अधिकारी) कहते हैं कि मैं (अखिल गिरि) सुंदर नहीं हूं। वह कितने सुंदर हैं। इसके बाद उन्होंने अधिकारी को चुनौती देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम लिए बिना उन्हें घसीटा। अपने भाषण के दौरान ऊस्ष्ट नेता सुवेंदु अधिकारी को धमकी भी दी। अखिल गिरि ने कहा- ममता बनर्जी नहीं चाहतीं इसलिए चुप हूं, वरना मार-मार उनका हाथ तोड़ देता।

**भाजपा बोली- ममता ने चुनाव में राष्ट्रपति का समर्थन नहीं किया**

अमित मालवीय ने अखिल गिरि के

इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने कहा- ममता बनर्जी हमेशा से आदिवासी विरोधी रही हैं। चुनाव में उन्होंने मुर्मू का समर्थन नहीं किया और अब यह। अभिव्यक्ति का शर्मनाक स्तर। हालांकि बंगाल की CM के तरफ से इसपर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

**कांग्रेस नेता भी कर चुके हैं राष्ट्रपति पर विवादित टिप्पणी**

यह पहला ऐसा मौका नहीं है जब किसी नेता ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का अपमान किया हो। इससे पहले इससे पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपत्नी कहकर विवाद खड़ा कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि आज भी जाने की कोशिश करेंगे। हिंदुस्तान की राष्ट्रपत्नी सबके लिए हैं। हमारे लिए क्यों नहीं।

हालांकि बाद में उन्होंने राष्ट्रपति को लेटर लिखकर माफी मांगी थी। अधीर ने लिखा- मैंने गलती से आपके लिए गलत शब्द का इस्तेमाल किया। मेरी जुबान फिसल गई थी। मैं माफी मांगता हूं और आपसे इसे स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं। कांग्रेस के उदित राज ने भी राष्ट्रपति पर चापलूसी का आरोप लगाया था। बाद में उन्होंने भी अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी थी।

## गुजरात के 13 जिलों में छापेमारी, एटीएस-जीएसटी का संयुक्त अभियान, 90 लोग हिरासत में

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के 13 जिलों में बीती रात एक साथ छापेमारी की गई। गुजरात एटीएस और जीएसटी की टीमों ने मिलकर 150 जगहों पर संयुक्त कार्यवाही की। एटीएस और जीएसटी के जॉइन्ट ऑपरेशन से हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक देश विरोधी गतिविधियों को रोकने और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर कर चोरी तथा नकद लेन-देन को लेकर की जा रही है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भरुच, जामनगर और भावनगर समेत राज्य के 13 जिलों में छापेमारी की जा रही है। गुजरात एटीएस ने अब तक करीब 90 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। दरअसल एटीएस को सूचना मिली थी कि कई लोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर टैक्स चोरी की जा रही है। जिसके आधार पर जीएसटी के साथ मिलकर बड़े ऑपरेशन का प्लान बनाकर एक साथ 150 जगहों पर कार्यवाही की जा रही है। एटीएस को आशंका है कि हिरासत में लिए गए लोग पीएफआई और हवाला रैकेट से जुड़े हो सकते हैं। इससे पहले 22 अक्टूबर को गुजरात एटीएस ने एक फर्जी अंतर्राष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश किया था और कनाडा के एस्पाइरेंट को फर्जी पासपोर्ट और वीजा जारी करने के आरोप में पूर्वी अहमदाबाद के नए नरोडा क्षेत्र से चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

## पुराने भवन में ही आयोजित होगा शीतकालीन सत्र, संसदीय मामलों की समिति करेगी तिथियों पर फैसला

### – शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से 29 दिसंबर तक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर तक चल सकता है। संसद के शीर्ष सूत्रों के अनुसार इस बार का शीतकालीन सत्र पुराने संसद भवन में ही आयोजित किया जाएगा। तारीखों के बारे में अंतिम फैसला संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति करेगी। शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होता रहा है। सत्र के दौरान करीब 20 बैठकें होती हैं। हालांकि, 2017 और 2018 में भी शीतकालीन सत्र का आयोजन दिसंबर में किया गया था। करीब 1200 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से तैयार हो रहे नए संसद भवन का इस माह के अंत या दिसंबर की शुरुआत में प्रतीकात्मक उद्घाटन किया जा सकता है। हाल ही में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नए संसद भवन के निर्माण कार्यों का जायजा ?लेने के बाद कहा था कि परियोजना पर काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। अब फिनिशिंग टच दिया जा रहा है। सरकार को तय करना है कि इसका उद्घाटन कब किया जाए। इससे पहले केंद्र सरकार ने कहा था कि नया संसद भवन नवंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा और शीतकालीन सत्र नए भवन में ही आयोजित किया जाएगा। हालांकि, शीर्षस्थ सूत्रों ने कहा है कि शीतकालीन सत्र के पुराने भवन में ही आयोजित किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। इसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कर रहा है। यह नया भवन सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है। आपको बता दें कि गुजरात विधानसभा के चुनाव 1 और 5 दिसंबर को प्रस्तावित हैं। जबकि गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे।

## पंजाब में पुलिस ने 2 किलो हेरोइन बरामद की

अमृतसर। अमृतसर देहाती पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। जानकारी के अनुसार पुलिस को थाना घरिंडा के अंतर्गत आते गांव मुहावा में एक खाली प्लाट में पैकेट दबे होने की सूचना मिली। पुलिस ने तुरन्त वहां पर पहुंच कर जमीन खोदकर जब पैकेट निकाला तो देखकर हैरान रह गई। इस पैकेट पर पाकिस्तान का एडरेस लिखा हुआ है तथा पाकिस्तान फोन नंबर के साथ कंट्री कोड प्लस 92 भी छपा हुआ है। यह पैकेट पीले रंग का है जिसमें 2 किलो हेरोइन बरामद की गई है।

## आप के गुजरात प्रभारी पर टिकट का लालच देकर युवती का यौन शोषण का गंभीर आरोप

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव जीतने के लिए आप ने पूरी ताकत झोंक दी है। पहले चरण के चुनाव के मुश्किल से 20 का वक्त रह गया है और इससे पहले कांग्रेस की महिला प्रवक्ता प्रगति आहिर ने आप के गुजरात प्रभारी गुलाबसिंह यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेस वार्ता में प्रगति आहिर ने बताया कि गुलाबसिंह यादव चुनाव में टिकट देने की लालच देकर युवती का यौन शोषण कर रहे थे। दंगा, दारू और ड्रग्स पर चलने वाली पार्टी आप को दिल्ली का कल्चर अपने पास रखने की प्रगति आहिर ने नसीहत दी। उन्होंने कहा कि आप के गुजरात प्रभारी और दिल्ली के विधायक द्वारा युवती का यौन शोषण किया गया है। क्या गुजरात की महिलाएं ऐसे नेता को स्वीकार करेंगी? उन्होंने गुजरात की महिलाओं से अपील की है कि वे इस प्रकार के किसी भी लोभ-लालच में न फंसें।

## एनर्जेटिक हैं राहुल गांधी और आदित्य ठाकरे, संजय राउत ने कहा- दोनों युवा देश का नेतृत्व करने में सक्षम

मुंबई। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे देश का नेतृत्व करने में सक्षम दो 'प्रमुख युवा नेता' हैं। ठाकरे ने दिन में गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा, 'दो प्रमुख युवा नेता, राहुल गांधी और आदित्य ठाकरे, भारत जोड़ो के लिए एक साथ चलेंगे और इससे नई ऊर्जा का संचार होगा। दोनों युवा नेता देश का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा हुए राउत ने कहा कि शिवसेना भारत जोड़ो यात्रा का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, 'उनमें (गांधी और ठाकरे) राज्य और देश के लिए काम करने की बहुत ऊर्जा है।' उद्धव ठाकरे और वंचित बहुजन अघाड़ी नेता प्रकाश अंबेडकर के एक साथ आने के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि उनके दादाजी के बीच एक बंधन था और यह अब पीढ़ियों से चला आ रहा है। बाबासाहेब अम्बेडकर और प्रबोधनकर ठाकरे ने संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में भाग लिया। बाबासाहेब अम्बेडकर के मराठी गौरव के बारे में मजबूत विचार थे। उन्होंने कहा, 'प्रबोधनकार ठाकरे ने बाबासाहेब अंबेडकर से महाराष्ट्र आंदोलन में भाग लेने का अनुरोध किया था और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। अम्बेडकर और ठाकरे दो ताकतें हैं और जब वे एक साथ आएंगे तो आप देश की राजनीति को बदलते हुए देखेंगे। उन्होंने दावा किया कि राज्य में मौजूदा माहौल उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को एक बड़ी ताकत बना देगा।

## दिल्ली में अब चलेगी चंदा योगशाला, सैलरी के लिए अरविंद केजरीवाल ने लोगों से मांगी मदद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में योगा क्लास को लेकर राजनीति अपने उफान पर है। अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल पर हमला बोलते हुए कहा कि योगा क्लास फिस से शुरू कर दी गई है। जिन्हें उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने बंद कर दिया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की योगशाला को चालू रखने के लिए दिल्ली वालों से शिक्षकों का खर्च उठाने की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि लोग आगे आएं और योग शिक्षकों का खर्च उठाएं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने कहा कि मैं कैसे भी टीचर को सैलरी दूंगा। योग क्लास दो दिन के लिए बंद हुई। कुछ लोगों ने कहा कि हम योगा क्लास का सारा खर्च उठाएंगे पर मैं चाहता हूं कि ज्यादा लोग इसमें भागीदार बनें। 72779 72779 पर WhatsApp करें कि आप कितने टीचर्स की सैलरी मुहैया करा सकते हैं। एक टीचर की सैलरी है 15,000 है। सीधा चेक आपसे टीचर को जाएगा। आइये, मिलकर दिल्ली की योगा क्लासेज को जारी रखें। केजरीवाल ने कहा कि हमारा लक्ष्य दिल्ली के 17 लाख लोगों को योगा कराने का था। लेकिन बीजेपी-एलजी ने 17,000 लोगों को भी योगा करने से रोक दिया। योग करने से रोकना तो पाप है।

# स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी के दौरे में शामिल एक शख्स के मुंबई हमले से जुड़े तार हैं

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उनके साथ एक ऐसा व्यक्ति भी था जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने 26/11 मुंबई हमले से पहले पाकिस्तानी आतंकवादियों को रास्ता दिखाया था। छत्तीसगढ़ में महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ती घटनाओं के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित महतारी हुंकार रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ईरानी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर भी कटाक्ष किया और कहा कि उनकी रूचि राज्य के लोगों की सेवा करने से अधिक गांधी परिवार की सेवा करने में है।

ईरानी ने कहा , '' जिस दिन से हमने अमेठी से राहुल गांधी को विदाई दी है तब से वह देश की यात्रा पर निकल पड़े हैं, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है।''उनका इशारा गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' की ओर था। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उनकी यात्रा अभी भी जारी है। तमिलनाडु में उन्हें एक व्यक्ति के साथ देखा गया था जिन्होंने कहा था कि जब आप भारतीय भूमि पर कदम रखेंगे तो आप बीमार पड़ेंगे। वहीं केरल में उन्हें ऐसे व्यक्ति के साथ देखा गया था जिसने गाय का वध किया था और उसके साथ अपनी तस्वीरें इंटरनेट पर पोस्ट की थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता अपनी यात्रा में कुछ ऐसे लोगों को लेकर चले जिन्होंने इस बात का ऐलान कर दिया कि कश्मीर में जनमत संग्रह होना चाहिए। जब आगे बढ़े तब गांधी खानदान के नौनिहाल एक ऐसे व्यक्ति के साथ चले जिसके बारे में कहा जाता है कि जब मुंबई में पाकिस्तानी हमला हुआ था तब उसने पाकिस्तानी आतंकवादियों को रास्ता दिखाया था। ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी के साथ उनकी यात्रा में ऐसे लोगों के जाने के बाद भी भूपेश बघेल जी सहित कांग्रेस पार्टी के किसी नेता ने इस पर कुछ नहीं कहा और वे सभी चुप रहे। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी कांग्रेस जनता का पैसा लूट रही है। उन्होंने पूछा, भूपेश जी का रिमोट किसके द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है, सोनिया जी या सौम्या जी द्वारा। सौम्या चौरसिया मुख्यमंत्री कार्यालय में उपसचिव हैं और उनके परिसरों की हाल ही में आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने तलाशी ली थी। ईरानी ने कहा, कांग्रेस के नेताओं को बताना चाहिए कि कांग्रेस के राज में छह हजार महिलाओं के साथ बलात्कार क्यों हुआ। कांग्रेस के राज में आदिवासी महिलाएं असुरक्षित क्यों हैं। भूपेश सरकार ने 16 लाख परिवारों से उनका आवास क्यों छीना। भूपेश सरकार को जनता की भलाई में रुचि नहीं है बल्कि जनता की तिज़ोरी कैसे लूटी जाए, इसमें ज्यादा रुचि है। केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) को राज्य में ठीक तरह से लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया और पूछा कि कांग्रेस ने गरीब लोगों के 16 लाख घर क्यों छीने। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर

शहर के नेहरू चौक में आयोजित महतारी हुंकार रैली में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव, विपक्ष के नेता नारायण चंदेल और अन्य भाजपा नेताओं एवं महिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इससे पहले भाजपा महिला मोर्चा ने शहर के जगमल चौक से नेहरू चौक तक रैली निकाली।

# कांग्रेस नेता ने पीएम को लेकर दिया विवादित बयान, आज ही मोदी ने कहा था- कुछ लोग हताशा में देते हैं गालियां

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** गुजरात चुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां लगातार जारी है। इन सब के बीच आज कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र भी जारी कर दिया। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि राज्य में सरकार बनने के साथ ही नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदला जाएगा। इसी को लेकर एक निजी चैनल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री से बातचीत की थी। इसी दौरान मधुसूदन मिस्त्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इसके बाद से अब बवाल बढ़ता जा रहा है। भाजपा लगातार कांग्रेस पर हमलावर हो रही है। इससे पहले 2017 के गुजरात चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसके बाद से पार्टी को राज्य में खामियाजा भुगतना पड़ा था।

अब सवाल यह है कि क्या इस बार भी मधुसूदन मिस्त्री का यह बयान गुजरात चुनाव में पार्टी के परफॉर्मेंस पर असर डाल सकता है? आश्चर्य की बात यह है कि आज ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में कहा था कि कुछ लोग मुझे दिन-रात गालियां देते रहते हैं लेकिन मुझे उससे फर्क नहीं पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कुछ लोग निराशा और हताशा के कारण, सुबह-शाम मोदी को गालियां देते रहते हैं। लेकिन इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन गालियों को चाय पर हंसी-मजाक कीजिए। दूसरे दिन कमल खिलने वाला है, इस खुशी में आगे बढ़िए। क्योंकि उनके पास गालियां देने के सिवाय कुछ बचा ही नहीं है।

मधुसूदन मिस्त्री को लेकर अब भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी के नेताओं का चरित्र दिखाता है वे देश के प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। गुजरात की जनता उन्हें सबक सिखाएगी। आपको बता दें कि कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र शनिवार को जारी किया, जिसमें उसने 10 लाख नौकरियां, 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर, प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली और बेरोजगारों को

3,000 रुपये भत्ता देने का वादा किया। गुजरात में दो दशकों से अधिक समय से सत्ता से बाहर रहने वाली कांग्रेस ने तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण माफ करने, केजी से पीजी (किंडरगार्टन से स्नातक) तक मुफ्त शिक्षा और प्रत्येक फसल के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) निर्धारित करने के लिए एक समिति गठित करने का वादा किया है।

# गडकरी बोले- युवा रोजगार पैदा कर प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करें

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को युवाओं का आह्वान किया कि वे रोजगार पैदा करने वाले बनें और प्राप्त ज्ञान का उपयोग देश के लाभ के लिए करें। इसके साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों में समाधान खोजने के लिए शोध और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर भी बल दिया। गडकरी यहां असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, युवाओं को केवल धन सृजक नहीं बल्कि रोजगार सृजक भी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान और शोध का उपयोग करके, युवा समाज की ताकत बन सकते हैं और विभिन्न चुनौतियों का समाधान दे सकते हैं जिससे देश को फायदा होगा। गडकरी ने कहा कि युवा, रोजगार सृजक'' बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमारे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों एवं कृषि क्षेत्र में समस्याएं हैं। हमें इनका समाधान खोजने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने संसाधनों के उपयोग और उचित मार्गदर्शन के लिए सभी क्षेत्रों में मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता पर भी जोर दिया। गडकरी ने कहा, ज्ञान को धन में बदलना महत्वपूर्ण है। मैं कबाड़ को धन में बदलने में विश्वास करता हूं। कोई भी व्यक्ति या सामग्री बेकार नहीं होती है। क्षमता का पता लगाने के लिए नेतृत्व की आवश्यकता होती है। मंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शी तरीके से काम करें तथा निर्णय लेने या सौंपे गए कार्यों को पूरा करने में संकोच या शिथिलता नहीं बरतें।

## जी20 के नेता टिकाऊ और अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ने पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली। जी20 के सदस्य देशों के नेता अगले सप्ताह बाली में मुलाकात करेंगे तो उनके बाली कॉम्पैक्ट पर प्रतिबद्धता जताये जाने की संभावना है जो जी20 देशों के ऊर्जा मंत्रियों द्वारा सितंबर में तय नौ सिद्धांतों का सेट है। इसके केंद्र में तेजी से अक्षय ऊर्जा को अपनाने की ओर बढ़ने की योजना है। जी20 के अध्यक्ष के रूप में इंडोनेशिया ने मिलकर उबरेंगे, मिलकर मजबूत होंगे की थीम दी है और वह ऊर्जा संकट के साथ स्वास्थ्य तथा समृद्धि पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों के अध्ययन की जरूरत पर तथा टिकाऊ ऊर्जा अंतरण पर मंथन कर रहा है। कोविड- 19 महामारी के बाद इस साल के भू- राजनीतिक तनाव और संबंधित प्रतिबंध इशारा कर रहे हैं कि विकसित अर्थव्यवस्थाएं ऊर्जा सुरक्षा के साथ संघर्ष कर रही हैं। इस बीच कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएं अब भी ऊर्जा तक पहुंच के लिए जूझ रही हैं। जी20 के अध्यक्ष के रूप में, इंडोनेशिया दोनों चिंताओं पर विचार करने की कोशिश कर रहा है। ऐसा करने में मदद का कोई विकल्प बाली कॉम्पैक्ट में नहीं है। पिछले साल जी20 की इटली की अध्यक्षता के दौरान ऊर्जा सुरक्षा तथा बाजार स्थिरता को बढ़ाने में डिजिटलीकरण की भूमिका को चिह्नित किया गया। लेकिन ऊर्जा परिवर्तन को प्रेरित करने में डिजिटलीकरण तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका बाली कॉम्पैक्ट से नदारद है। जी20 के डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों ने टिकाऊ और अक्षय ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में नवाचार बढ़ाने के लिए सहयोग को बढ़ावा दिया है। इसके बाद भी ऊर्जा सुरक्षा तथा ऊर्जा मिलने में डिजिटल नवाचार को अपनाने को प्रोत्साहित करने में ऊर्जा मंत्रियों ने बहुत कम प्रगति की है।

# शिवराज की चेतावनी, कुछ लोग अराजकता का माहौल बनाना चहाते हैं, ऐसे लोगों से हम सख्ती से निपटेंगे

**भोपाल (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भ्रम फैलाने और अराजकता का माहौल बनाने वालों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वालों से हम सख्ती से निपटेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खाद की आपूर्ति निरंतर की जा रही है। मैं आपको आश्वस्त कर रहा हूं कि हम खाद की कोई कमी नहीं आने देंगे। खाद की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि तकनीकी कारणों से थोड़ी से दिक्कत बीच में आई थी लेकिन खाद की उपलब्धता है। आवश्यकता के अनुसार खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं, अराजकता का माहौल बनाना चहाते हैं। ऐसे लोगों से हम सख्ती से निपटेंगे। कोई गड़बड़ करते हुए पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले का मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं उत्प्रेरण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मैं दिन में 18 घंटे काम करता हूं। सुबह से लेकर देर रात तक एक तड़प रहती है कि मुझे मध्यप्रदेश के 8~50 करोड़ लोगों के

लिए काम करना है। मैं एक क्षण भी व्यर्थ कैसे गवां सकता हूं?

शिवराज ने कहा कि हमारा सबसे बड़ा दायित्व कुपोषण दूर करना है। महिला एवं बाल विकास विभाग 75त्न आबादी की सेवा का विभाग है। अपना काम बच्चों की जिंदगी बचाने व बनाने का काम है। क्या महिला बाल विकास विभाग यह संकल्प ले सकता है कि 1 साल के अंदर एक भी बच्चा अंडरवेट नहीं रहेगा? विभाग की योजनाओं का भी लाभ देंगे और समाज से भी सहयोग लेंगे। यह करके दिखाया जा सकता है। समाज के पास देने को बहुत कुछ है। हमने अडॉप्ट ए आंगनवाड़ी अभियान चलाया। इसका उद्देश्य समाज को आंगनवाड़ी से जोड़ना है।

# बीजेपी का ही एक ब्रांच है चुनाव आयोग, महबूबा मुफ्ती ने कहा- अब पहले की तरह स्वतंत्र नहीं रह गया

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्ची को निशाने पर लिया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) भाजपा की एक शाखा बन गया है। जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि 'यह चुप रहता है, जैसे कि भाजपा ने हिमाचल में धार्मिक प्रचार के आधार पर प्रचार किया था। भारतीय चुनाव आयोग अब पहले की तरह स्वतंत्र नहीं है। बीजेपी के इशारे पर चुनाव कराती है।

अनंतनाग में समाचार एजेंसी से बात करते हुए पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ये चुनाव आयोग का काम(जम्मू-कश्मीर में चुनाव) है। इससे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का काम है क्योंकि चुनाव आयोग बीजेपी का एक हाथ बन गई है। क्योंकि हिमाचल प्रदेश में जिस तरह से मजहब के नाम पर भाजपा के प्रचारक प्रचार करते हैं और चुनाव आयोग तमाशा देख रहा है। वर्तमान सरकार यहां सब कुछ बाधित करने के लिए है। कश्मीरी पंडित इतने लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि जब तक कश्मीर में हालात बेहतर नहीं हो जाते, तब तक वे जम्मू में स्थानांतरित हो जाते हैं, लेकिन वे (सरकार) अपनी आय, राशन बंद कर देते हैं।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि बीजेपी वोट हासिल

करने के लिए अपने संघर्ष का इस्तेमाल करती है। भारत का चुनाव आयोग अब भाजपा की एक शाखा बन गया है। यह चुप रहता है, जैसे हिमाचल प्रदेश में भाजपा ने धार्मिक प्रचार के आधार पर प्रचार किया था। ईसीआई अब पहले की तरह स्वतंत्र नहीं रहा। भाजपा के इशारे पर चुनाव कराती है चुनाव आयोग।

# तिहाड़ में थ्री लेयर सुरक्षा में रखा गया है महाठग सुकेश, 24 घंटे सीसीटीवी से रखी जा रही निगरानी

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** यमुनापार की मंडोली की जेल नंबर-14 में बंद 200 करोड़ रुपए की ठगी करने के आरोपी सुकेश चंद्रशेखर की सुरक्षा के लिए तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपनी ओर से पुख्ता प्रबंध किए हैं। उसे थ्री लेयर के सुरक्षा कवच में रखा गया है। जहां पहला सुरक्षा घेरा आईटीबीपी जवानों का होता है, जबकि दूसरा सीआरपीएफ जवानों का और तीसरी लेयर में जेल के सुरक्षा जवान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा करीब 20 सीसीटीवी कैमरों से इसकी हर गतिविधि को रिकॉर्ड किया जा रहा है। इस काम के लिए आईटीबीपी, सीआरपीएफ और जेल के करीब 25 जवानों को लगाया गया है। जो निगरानी के साथ-साथ यह भी देखते हैं कि कोई अन्य कैदी उस पर हमला न कर दे। तिहाड़ जेल सूत्रों ने बताया कि मंडोली की जेल नंबर-14 के सेल में उसे अकेले रखा गया है। 15 बाई 15 फुट वाले सेल के अंदर ही टॉयलेट है। इसके मनोरंजन के लिए टीवी भी दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आए दिन जेल से पत्र लिखकर किसी न किसी अफसर और मंत्री के खिलाफ पैसा लेने और जेल के अंदर अपनी जान को खतरा बताने जैसे आरोप लगाने वाले सुकेश के एक मामले की शुरुआत इस साल 31 अगस्त से भी हुई। सूत्रों का कहना है कि इसी मामले को लेकर सुकेश ने सीआरपीएफ के उपर उसके साथ मारपीट का आरोप लगाया था। सूत्रों ने कहा कि असल में इसके पास मोबाइल फोन या अन्य कोई प्रतिबंधित सामान होने के शक में जेल अधिकारियों ने सीआरपीएफ के जवानों को साथ लेकर इसके सेल में तलाशी ली थी। इसी क्रम में सीआरपीएफ के जवान ने इसकी भी तलाशी ली थी।

# पश्चिम बंगाल के मंत्री अखिल गिरि ने राष्ट्रपति मुर्मू के रंग-रूप का उड़ाया मजाक

**नंदीग्राम (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार में मंत्री और टीएमसी नेता अखिल गिरि ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रूप-रंग को लेकर लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उनके बयान का एक वीडियो सामने आया है, जिसके बाद उनकी आलोचना की जा रही है। अखिल गिरि नंदीग्राम में एक भीड़ को संबोधित करते हुए भारत की राष्ट्रपति के 'लुक्स' को लेकर अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कहा हम किसी को उसके रूप-रंग से नहीं आंकते, हम राष्ट्रपति के पद का सम्मान करते हैं। लेकिन हमारी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं? भाजपा ने टीएमसी नेता की इस टिप्पणी पर रोष प्रकट करते हुए उनकी कड़ी निंदा की है।

इधर, टीएमसी का कहना है कि वास्तव में मंत्री अखिल गिरि कह रहे थे कि हमारी पार्टी लोगों को उनके लुक्स से नहीं आंकती। इस बात को कहने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति का उदाहरण दिया। वहीं, भाजपा ने दावा किया है कि जब टीएमसी के मंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू को लेकर यह टिप्पणी की, उस समय ममता बनर्जी सरकार में महिला कल्याण विभाग की मंत्री शशि पंका भी वहां उपस्थित थीं।

शहीद दिवस समारोह के मौके पर नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र में अखिल गिरि नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया कर रहे थे। भाजपा नेता को चुनौती देते हुए, टीएमसी नेता ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम लिए बिना उन्हें मामले में घसीटा। अखिल गिरि ने कहा सुवेंदु अधिकारी कहते हैं कि मैं (अखिल गिरि) सुंदर नहीं हूं। वह कितने सुंदर हैं? हम लोगों को उनके रंग-रूप से नहीं आंकते। हम आपके राष्ट्रपति की कुर्सी का सम्मान करते हैं। आपकी राष्ट्रपति कैसी दिखती हैं? उनके इस बयान का वीडियो क्लिप ट्विटर पर शेयर करते हुए पश्चिम बंगाल भाजपा ने ममता सरकार व तृणमूल पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समुदाय से हैं। तृणमूल कांग्रेस के सुधार गृहमंत्री अखिल गिरि ने महिला कल्याण विभाग की एक अन्य मंत्री शशि पांजा की उपस्थिति में उनके बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की।

भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि ममता बनर्जी हमेशा आदिवासी विरोधी रही हैं और उन्होंने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में द्रौपदी मुर्मू का समर्थन नहीं किया था। उन्होंने लिखा कि ममता बनर्जी कैबिनेट में मंत्री अखिल गिरि ने

राष्ट्रपति का अपमान किया, कहते हैं, हमें लुक की परवाह नहीं है। लेकिन आपका राष्ट्रपति कैसा दिखता है? ममता बनर्जी हमेशा आदिवासी विरोधी रही हैं, राष्ट्रपति चुनाव में भी उन्होंने द्रौपदी मुर्मू का समर्थन नहीं किया था और अब यह बयानबाजी का शर्मनाक स्तर'।

इससे पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'राष्ट्रपत्नी' संबोधित करके विवाद खड़ा कर दिया था। एक अन्य कांग्रेस नेता उदित राज ने भी राष्ट्रपति को 'चापलूस' कहा था। बाद में दोनों नेताओं ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी।

## ब्रिटेन में सिख सैनिकों को सरकार देगी नितनेम गुटका

लंदन। ब्रिटेन के 100 साल के इतिहास में पहली बार सिखों की दैनिक प्रार्थना का गुटका, जिसका नाम नितनेम है। रक्षा मंत्रालय द्वारा सिखों की आस्था और विश्वास को देखते हुए, सिख सैनिकों को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। ब्रिटिश सेना में शामिल मेजर दलजिंदर सिंह विरदी इसके लिए 2 साल से प्रयासरत थे। ब्रिटेन का रक्षा मंत्रालय ईसाई सैनिकों को ईसाई धार्मिक ग्रंथ उपलब्ध कराता है। सिखों को नियमित प्रार्थना के लिए नितनेम गुटका नहीं मिलता था। लंदन में केंद्रीय गुरुद्वारा मंदिर के पुस्तकालय सेंनितनेम गुटक लेकर ब्रिटिश सिख सैन्य कर्मियों के बीच में बांटा गया है। ब्रिटेन की सरकार ने पहली बार सिख सैनिकों को सिख धर्मग्रंथ पढ़ने की आस्था को ध्यान में रखते हुए,यह कदम उठाया है।

## ईरान में हालात को लेकर विशेष सत्र आयोजित करेगा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोगा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई, पत्रकारों को धमकियों और मानवाधिकार उल्लंघन के अन्य मामलों के मद्देनजर विशेष सत्र आयोजित करने जा रहा है। आयोग जर्मनी और आइसलैंड के राजनियक अनुरोध पर 24 नवंबर को यह सत्र आयोजित किया जा सकता है। जर्मनी ने शुक्रवार को आयोग को एक पत्र भेजा था, जिसमें 'ईरान में विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के संदर्भ में बिगड़ती मानवाधिकार स्थिति से निपटने' के लिए विशेष सत्र आयोजित करने का अनुरोध किया गया था। आयोग के 47 सदस्यों में से कम से कम एक तिहाई ने इस अनुरोध का समर्थन किया है। ईरान में 16 सितंबर को धर्माचार पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत हो गई थी, जिसके बाद वहां सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इस दौरान ईरान में कथित तौर पर मानवाधिकार उल्लंघन के कई मामले सामने आए हैं। 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स' नामक निगरानी समूह के अनुसार ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 328 लोगों की मौत हो चुकी है और 14,825 अन्य को गिरफ्तार किया जा चुका है।

## चीन ने कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की

बीजिंग। चीन ने कोविड-19 संबंधी प्रतिबंधों में ढील देने की शुरुआत करते हुए देश में आने वाले यात्रियों के लिए पृथकवास की अवधि में कटौती की है और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लागू प्रतिबंध हटा दिया है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की नवनिर्वाचित सात सदस्यीय स्थायी समिति की पहली बैठक के बाद नए नियमों की घोषणा की गई। सीपीसी की यह बैठक बृहस्पतिवार को हुई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने की। स्थायी समिति सीपीसी का सर्वोच्च नीति-निर्माण और कार्यान्वयन निकाय है। चीन ने कोविड-19 के मरीजों के निकट संपर्क में आने वाले लोगों की पृथकवास की अवधि को 10 दिन से घटाकर आठ दिन कर दिया है। इसमें व्यक्ति को पांच दिनों तक पृथकवास केंद्र में अनिवार्य रूप से रहना होगा, जिसके बाद तीन दिनों तक घर पर ही उसके स्वास्थ्य की निगरानी की जाएगी। चीन के सरकारी समाचार-पत्र ग्लोबल टाइम्स ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि ''सर्किट ब्रेकर'' नीति के तहतयदि चीन आने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कोई व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया तो उसे किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। ''सर्किट ब्रेकर'' नीति के तहत यदि कोई यात्री आगमन पर कोविड-19 से संक्रमित पाया जाता है तो चीनी विमानन अधिकारी अंतराष्ट्रीय उड़ानों का आगमन पर लंबे समय के लिए निलंबित कर देते हैं। ''सर्किट ब्रेकर'' नीति के कारण कई विमानन कंपनियों को काफी नुकसान हो रहा है। इसी कारण भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों को बहाल करने में रुकावट आ रही थी। इस बीच, चीन में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 1,150 नए मामले सामने आए। इसके अलावा विभिन्न शहरों में 9,358 ऐसे मामले पता चले हैं जो स्थानीय हैं और लोगों में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं।

## अटलांटा में श्री श्री रविशंकर को दिया गया 'गांधी पीस पिलग्रिमेज' पुरस्कार

वाशिंगटन। भारतीय आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर को महात्मा गांधी एवं डॉ मार्टिन लूथर किंग जूनियर के शांति एवं अहिंसा के संदेशों का प्रसार करने में उनके अथक प्रयासों के लिए अटलांटा में 'गांधी पीस पिलग्रिमेज' पुरस्कार प्रदान किया गया है। श्री श्री रविशंकर को डॉ मार्टिन लूथर किंग जूनियर के भतीजे इसाक फारिस और अटलांटा में भारत की महावाणिज्य दूत डॉ स्वाति कुलकर्णी की उपस्थिति में अमेरिका के गांधी फाउंडेशन ने यह प्रतिष्ठापूर्ण पुरस्कार प्रदान किया। प्रशस्ति पत्र में कहा गया है कि दुनिया में जो बदलाव हम देखना चाहते हैं, उसके प्रति विवेक, अंतर्दृष्टि तथा गांधी-किंग के शांति एवं अहिंसा के उपदेशों से प्रेरित होकर मानवता की सेवा करने को लेकर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। श्री श्री रविशंकर ने अपने संदेश में कहा कुछ संदेश कालातीत संदेश होते हैं। इस श्रेणी में मार्टिन लूथर किंग और महात्मा गांधी के संदेश बहुत प्रासंगिक हैं। वे हर पीढ़ी में हर उम्र के लिए बिल्कुल नए हैं। कभी-कभी यह और प्रासंगिक हो जाते हैं। आज की दुनिया में, जहां हम ऐसी ध्रुवीकरण एवं तनाव से जूझ रहे हैं, शांति का संदेश ऊंचा एवं स्पष्ट होना चाहिए।

## अफीकी राष्ट्रों ने जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए धन उपलब्ध कराने पर जोर दिया

जिनेवा अफीकी महाद्वीप के नेताओं और वार्ताकारों ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में कहा है कि जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा, धूल भरी आंधी, बाढ़, जंगल में आग, तटीय भू-क्षरण, चक्रवात और अन्य मौसमी परिघटनाओं का सामना कर रहे इस महाद्वीप को इसका मुकाबला करने की जरूरत है, लेकिन इसके लिए उसे धन की आवश्यकता है। मिस्र में हो रहे सीओपी27 सम्मेलन में अफीकी समूह के वार्ताकारों के लिए यह विषय मुख्य प्राथमिकताओं में एक है। समूह के अध्यक्ष इफरैम शितिमा ने कहा कि अफीका महाद्वीप के लिए वार्ताओं के नतीजों को कार्रवाई में तब्दील होते देखने को इच्छुक है, जहां लाखों लोग जलवायु से जुड़ी आपदाओं को सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को महाद्वीप के लाखों लोगों को समाधान उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफीका को प्रतिकूल मौसम के प्रति अनुकूलन और ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने तथा नवीकरणीय ऊर्जा के लिए धन की जरूरत है। विश्व बैंक के एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु से जुड़ी घटनाएं विश्व भर में 13.2 करोड़ लोगों को गरीबी में धकेल देंगी। साथ ही, अफीकी देशों को 2050 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद का 10 से 15 प्रतिशत गंवाना पड़ जाएगा। अफीका की पृथ्वी पर कार्बन उत्सर्जन में महज चार प्रतिशत की हिस्सेदारी है, जबकि महाद्वीप में विश्व की 17 प्रतिशत आबादी है। जलवायु से जुड़ी आपदाओं और स्थिति बदतर होने से रोकने के लिए ढलने के वास्ते जलवायु वित्तपोषण एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। एक साल में 100 अरब डॉलर के जलवायु वित्तपोषण का वादा पूरा किया जाना बाकी है, जबकि इसकी समय-सीमा को पार हुए दो साल हो गये हैं। सेशल्स के राष्ट्रपति वावेल रामकलावन ने कहा कि छोटे द्वीपीय देशों के गठबंधन के नेता भी नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए नये सिरे से धन की मांग कर रहे हैं।

## एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री ने की मांग-सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने के लिए मुआवजा दें भारत और चीन

काहिरा। द्वीपीय देश एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री ने मांग की कि बड़े पैमाने पर प्रदूषण के लिए जिम्मेदार अर्थव्यवस्थाओं को जलवायु परिवर्तन की वजह से आने वाली आपदाओं के बाद देशों के पुनर्निर्माण के लिए जलवायु मुआवजा देना चाहिए। बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैलाने वाले देशों में चीन और भारत भी शामिल है। छोटे द्वीप देशों के गठबंधन ने मिस्र के शर्म अल-शेख में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन कोप-27 के दौरान भारत और चीन से मुआवजे की मांग की है।

बोलीविया में 2025 में होने वाले चुनाव से पहले अधिकारियों द्वारा अगले साल जनगणना कराने की मांग को लेकर सांताक्रूज में हड़ताल के दौरान एक जलते हुए बैरिकेड के बगल में खड़े प्रदर्शनकारी।

## बोरिस जॉनसन ने उड़ाई पुतिन की खिल्ली, उन्हें 'मास्टर ऑफ प्रोपेगेंडा' करार दिया

लंदन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जमकर खिल्ली उड़ाई है। बोरिस जॉनसन ने पुतिन को 'मास्टर ऑफ प्रोपेगेंडा' करार दिया है। उन्होंने कहा ऐसा नहीं लगता कि हमें इस बारे में चिंता करने की जरूरत है कि पुतिन अपनी हार कैसे मानेंगे। आखिरकार वह प्रोपेगेंडा के उस्ताद हैं। बोरिस जॉनसन ने कहा कि दुनिया के केवल एक नेता पुतिन ने ही बीजिंग ओलंपिक को हरी झंडी दिखाई थी। उन्होंने कहा कि पुतिन शी जिनपिंग के पंख हैं। यूक्रेन युद्ध पर बोरिस जॉनसन ने कहा पुतिन यह लड़ाई हार जाएंगे और वह इसी लायक हैं। पुतिन को नहीं पता कि वह ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे कभी जीता नहीं जा सकता। इस हार से रूस की ताकत कमजोर होगी और चीन को मजबूती मिलेगी। युद्ध के चलते दुनिया भर में मिलिट्री एक्सपोर्ट प्रभावित होगा। हम खतरनाक समय में जी रहे हैं और निरंकुश शासकों के गैर जिम्मेदार और खतरनाक व्यवहार के खिलाफ ब्रिटेन और भारत को साथ आना होगा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा मैं वेस्ट लंदन में अपनी सीट से प्रतिनिधित्व जारी रखूंगा। मुझे कुछ प्रोजेक्ट्स मिले हैं। मैं किताबें भी लिख रहा हूं। जिन चीजों के प्रति मेरा विश्वास है, उन्हें लेकर अपने प्रयास बंद नहीं करूंगा। यूक्रेन के लोगों के प्रति हमारा समर्थन जारी रहेगा। यूक्रेनी जनता को आक्रमण से बचाने के लिए हमारी मदद जारी रहेगी।

# पाकिस्तान में होगा नया आगाज? वतन वापसी करेंगे नवाज, क्या समय से पहले होने वाले हैं चुनाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ लंदन में अपना निर्वासन समाप्त कर अगले आम चुनाव में अपनी पार्टी का नेतृत्व करने के लिए दिसंबर में देश लौट सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। इससे पहले ये खबर सामने आई कि 72 वर्षीय तीन बार के पूर्व प्रधा मंत्री नवाज को पीएमएल-एन पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा एक राजनयिक पासपोर्ट दिया गया था। इस मामले से वाकिफ पीएमएल-एन पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने भरोसा जताया है कि शरीफ दिसंबर में वतन वापसी कर सकते हैं।

**क्या मध्यावधि चुनाव के लिए राजी हो गए शरीफ?**

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने पार्टी के सूत्र के हवाले से नाम न छापने की शर्त पर कहा कि यह अफवाहें कि शरीफ चुनाव के करीब ही चुनाव प्रचार के लिए लौटेंगे, सच नहीं हैं क्योंकि उनकी वापसी का मतलब यह नहीं है कि पीएमएल-एन जल्द चुनाव के लिए राजी हो गया है। पूर्व प्रधानमंत्री 2019 से लंदन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं। दिसंबर 2018 में उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

**क्या है पीएमएनएल की योजना?**

पार्टी जल्द चुनाव के मामले में नहीं मानेगी, चाहे कुछ भी हो जाए। पीएमएल-एन, भले ही वह अपनी सरकार गंवा दे, इस मांग को नहीं मानेगी, और यह फाइनल है। हालांकि उन्होंने कहा कि बड़े शरीफ की वापसी एक जन संपर्क अभियान की शुरुआत होगी, जिसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उत्साहित करने के लिए एक कार्यकर्ता सम्मेलन और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी स्विंग वोटों को वापस लाने के लिए शेष कार्यकाल का पूरा उपयोग करने की कोशिश करेगी।

## खेरसॉन से हुई सभी रूसी सैनिकों की वापसी, अब एक भी सैन्य इकाई वहां नहीं बची : दिमित्री पेस्कोव

माइकोलैव (एजेंसी)। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में नीपर नदी के पश्चिमी किनारे से अपने सभी सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। यह कदम यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस के लिए एक और झटका माना जा रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार सुबह सैनिकों की वापसी पूरी की गई है और अब एक भी सैन्य इकाई वहां नहीं बची है। जिन क्षेत्रों से रूस की सेना ने वापसी की है, उनमें खेरसॉन शहर भी शामिल है। यह एकमात्र क्षेत्रीय राजधानी है जिस पर मॉस्को ने यूक्रेन पर अपने हमलों के दौरान कब्जा किया था।

हालांकि रूस बचाव की मुद्रा में रहा और जोर देता रहा कि सैनिकों की यह वापसी किसी भी तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाली नहीं है। क्रेमलिन प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि मॉस्को अब भी खेरसॉन क्षेत्र को रूस के हिस्से के रूप में देख रहा है। उन्होंने कहा कि क्रेमलिन को करीब एक माह पहले खेरसॉन और तीन अन्य यूक्रेनी क्षेत्रों पर अवैध कब्जे की खुशी मनाने पर कोई अफसोस नहीं है।

रूस की सैनिकों की वापसी की इस घोषणा से कुछ देर पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने खेरसॉन क्षेत्र की स्थिति को 'मुश्किल' कहा था। खबर है कि रूस ने उन कुछ गांवों और शहरों पर गोलाबारी की है जिन पर यूक्रेन के सैनिकों ने खेरसॉन क्षेत्र में अपने अभियान के दौरान पिछले कुछ हफ्तों में फिर से नियंत्रण प्राप्त किया है। यूक्रेन के अधिकारियों को रूसी सैनिकों की वापसी की घोषणा के बाद आशंका है कि ये सैनिक खेरसॉन शहर में घात लगाकर हमलों में शामिल हो सकते हैं। सैन्य विश्लेषकों ने पूर्वानुमान व्यक्त किया था कि रूस की सेना को सैनिकों की वापसी पूरी करने में कम से कम एक सप्ताह लगेगा।

## अमेरिका ने भारत को अपनी मुद्रा निगरानी सूची से बाहर किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत को अपनी मुद्रा निगरानी सूची से बाहर कर दिया है। अमेरिका ने यह घोषणा तब की है, जब ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली में थीं। विभाग ने कांग्रेस को एक रिपोर्ट में निर्णय से अवगत कराया, जिसमें कहा गया था कि भारत सूची में बने रहने की कसौटी पर खरा नहीं उतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इटली, मैक्सिको, थाईलैंड और वियतनाम को भी निगरानी सूची से हटा दिया गया है, जबकि चीन, जापान, कोरिया, जर्मनी, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान इस पर बने हुए हैं। भारत दो रिपोर्टिंग अवधियों में तीन मानदंडों में से एक को पूरा किया, जिससे यह हटाने के योग्य हो गया, जैसा कि चार अन्य देशों ने किया था। रिपोर्ट का विमोचन येलन की भारत यात्रा के दौरान व्यापार बंधनों को मजबूत करने के लिए किया गया था, क्योंकि चीन पर अधिक निर्भरता से समस्याओं का सामना करने के बाद अमेरिका वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण पुनर्गठन चाहता है। येलेन ने फ्रेंडशोरिंग की अवधारणा की बात की मित्र देशों में आपूर्ति श्रृंखला लाना। उन्होंने कहा-ऐसी दुनिया में जहां आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियां लागत बढ़ा सकती हैं, हमारा मानना है कि भारत के साथ अपने व्यापार संबंधों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। भारत हमारे भरोसेमंद व्यापारिक साझेदारों में से एक है। किसी देश को निगरानी सूची में रखने के लिए जिन तीन कारकों पर विचार किया गया है, वह हैं अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष का आकार, चालू खाता अधिशेष और विदेशी मुद्रा बाजार में लगातार एकतरफा हस्तक्षेप। इसके अलावा, यह मुद्रा विकास, विनिमय दर प्रथाओं, विदेशी मुद्रा आरक्षित कवरेज, पूंजी नियंत्रण और मौद्रिक नीति पर भी विचार करता है। रिपोर्ट में विशेष रूप से यह नहीं बताया गया है कि भारत किन मानदंडों को पूरा करता या नहीं करता है, लेकिन इसमें संबंधित क्षेत्रों में नई दिल्ली के प्रदर्शन का उल्लेख है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 526.5 अरब डॉलर था, जो सकल घरेलू उत्पाद का 16 फीसदी है। भारत, रिपोर्ट में शामिल अन्य देशों की तरह, मानक पर्याप्तता बेंचमार्क के आधार पर पर्याप्त या पर्याप्त से अधिक विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखना जारी रखता है।

# यूक्रेन के विदेश मंत्री संग एस जयशंकर की मुलाकात, जंग के माहौल में परमाणु खतरे पर हुई बात

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को 19वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा सहित अपने समकक्षों से मुलाकात की और रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अनाज की पहल और परमाणु चिंताओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा कि दमित्रो कुलेबा से मिलकर खुशी हुई। हमारी चर्चा में संघर्ष, अनाज की पहल और परमाणु चिंताओं में हालिया घटनाक्रम शामिल थे।

उल्लेखनीय रूप से, रूस ने घोषणा की थी कि वह सौदे में अपनी भागीदारी को रोक रहा है, हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में कहा कि मास्को सौदे में अपनी भागीदारी को निलंबित करेगा, लेकिन समाप्त नहीं करेगा। यह सौदा काला सागर के माध्यम से यूक्रेनी अनाज के निर्यात के लिए एक सुरक्षित मानवीय गलियारा प्रदान करता है, जो 'रोटी की टोकरी' से जूझ रहे भू-राजनीतिक संघर्ष के कारण बढ़ती खाद्य कीमतों से निपटने के लिए है। इस बीच, पुतिन ने परमाणु हमले को लेकर अपनी बयानबाजी तेज कर दी, जिससे यह आशंका बढ़ गई कि वह यूक्रेन में इस तरह के हथियार का इस्तेमाल कर सकते हैं। रूस के पास युद्ध के मैदान में पारंपरिक ताकतों को हराने के लिए डिज़ाइन किए गए 2,000 सामरिक परमाणु हथियार, कम उपज वाले उपकरण हैं। सामरिक परमाणु हथियार का इस्तेमाल कभी भी युद्ध में नहीं किया गया है, लेकिन मिसाइल या तोपखाने के गोले सहित कई तरीकों से तैनात किया जा सकता है। जयशंकर ने सिंगापुर के एफएम विवियन बालकृष्णन और इंडोनेशिया के एफएम रेटनो मार्सुडी से भी मुलाकात की। सिंगापुर के मेरे मित्र एफएम विवियन बालाकृष्णन को देखकर अच्छा लगा।

## पाकिस्तान के नये सेना प्रमुख की नियुक्ति पर किसी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे शरीफ बंधु

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बड़े भाई नवाज शरीफ के बीच लंदन में हुई बैठक में निर्णय लिया गया है कि सरकार सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति पर इमरान खान सहित किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगी। शुक्रवार को मीडिया में आयी खबर में यह जानकारी दी गयी है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, शहबाज शरीफ ने इस सप्ताह पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ से भेंट कीऔर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की जल्द चुनाव कराने की मांग को न मानने का निर्णय किया। खबर में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि शरीफ बंधुओं का कहना है कि सेना प्रमुख की नियुक्ति का अधिकार देश के प्रधानमंत्री के पास है और इसे किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा। पीएमएल-एन के एक अंदरूनी सूत्र के हवाले से खबर में कहा गया है कि सेना प्रमुख की नियुक्ति और नये चुनावों के मुद्दे पर शहबाज की सरकार पर दबाव था, यही कारण है कि प्रधानमंत्री को पार्टी प्रमुख के साथ इस पर चर्चा करनी पड़ी कि क्या इन मांगों को स्वीकार किया जाए अथवा नहीं। सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक के दौरान जनरल बाजवा के सेवा विस्तार की संभावना पर भी चर्चा हुई। जनरल बाजवा का कार्यकाल 29 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

# इस माह 8 अरब हो जाएगी पृथ्वी की जनसंख्या

लंदन (एजेंसी)। इस माह धरती पर इंसानों की आबादी 8 अरब की संख्या को पार कर जाएगी। मानव प्रजाति का उद्भव पृथ्वी पर 20 लाख साल पहले हुआ था। तब से संसार में मानव जनसंख्या बीच-बीच में कुछ रुकावटों के बावजूद बढ़ती ही जा रही है, जिसमें उल्लेखनीय जनसंख्या विस्फोट 19वीं सदी के बाद ही देखने को मिला है। मानव जनसंख्या का यहां तक पहुंचना कोई सरल सीधी घटना नहीं है।

जीवाश्मों से मिली जानकारी बताती है कि सबसे पहला मानव 28 लाख साल पहले पूर्वी अफ्रीका में रहता था। तब से अब तक के इतिहास के प्रमाण यही बताते हैं कि मानव जनसंख्या ने तमाम तरह की आपदाओं और समस्याओं को झेलते हुए बढ़ोतरी ही की है और 20वीं सदी में तो ऐसा जनसंख्या विस्फोट देखने मिला है कि आज हम 8 अरब हो गए हैं। फिर भी यह सच ही है कि हमारे पास 19वीं सदी से पहले की जंनसंख्या के विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, जिससे सही तस्वीर नहीं मिलती है। हम जो जानते हैं उससे भी काफी कुछ पता चलता है। शुरू में मानव शिकारी और खाद्य सामग्री जमा करने का काम ही करते थे। उनके कम बच्चे हुआ करते थे।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शिकारी और खाद्य सामग्री जमा करने वाली जीवन पद्धति के चलते उन्हें अपने भोजन की जरूरतों के चलते उन्हें बहुत बड़े इलाके की जरूरत होती थी जो एक व्यक्ति के लिए करीब 10 वर्ग किलोमीटर के बराबर हुआ करता था। लेकिन जैसे ही इंसान बस्ती में बसना शुरू हुआ सभ्यता के साथ-साथ दुनिया की जनसंख्या भी बढ़ने लगी। समय के साथ केवल धीरे-धीरे ही जनसंख्या रही। इस बढ़ती जनसंख्या में सबसे बड़ा योगदान खेती का ही था क्योंकि उससे ज्यादा से ज्यादा लोगों के भोजन की समस्या निपटने में मदद मिली। खेती से भोजन का भंडारण संभव हो गया और लोगों को पोषण वाला भोजन भी मिलने लगा जिससे जन्मदर भी बढ़ने लगी क्योंकि महिलाएं सेहतमंद रहने लगीं और उन्हें बच्चा पैदा करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती थी।

लेकिन स्थायी बसाहट से कई तरह की समस्याएं भी आईं। पालतू जानवरों के रखने से कई तरह की बीमारियां भी आईं। उस दौर में बच्चों के मरने की दर ज्यादा थी। एक तिहाई बच्चे साल भर के अंदर मर जाते थे और दूसरे एक तिहाई 18 साल की उम्र से पहले। अनुमानों के अनुसार दस हजार ईसा पूर्व में 60 लाख की जनसंख्या से 2000 ईसापूर्व तक जनसंख्या करीब 10 करोड़ और उसके बाद पहली ईस्वी के बाद 25 करोड़ हो गई। 14वीं सदी में ब्लैक डेथ में यूरोप सहित दुनिया में बहुत बड़ी मात्रा जनसंख्या साफ करने का काम किया। इसकी वजह से 1300 की करीब 43 करोड़ की जनसंख्या केवल 37 करोड़ ही रह गई। इसके बाद कई सदियों तक कभी महामारी तो कभी युद्धों ने दुनिया की आबादी घटने का काम किया। 19वीं सदी में जनसंख्या में विस्फोट देखने को मिला, जिसके चिकित्सा विज्ञान और

कृषि का औद्योगीकरण प्रमुख कारण थे। 1800 से दुनिया की जनसंख्या 8 गुना बढ़ गई है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी प्रमुख जीवन रक्षक दवाइयां और टीकों का विकास है। इसमें चेचक का टीका सबसे प्रमुख माना जाता है। इसके अलावा 1970 और 1980 के दशक में एक ही क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला। हृदय कि चिकित्सा में उपचारों की सफलता ने मृत्यु दर में भी भारी कमी कर दी। ऐसी ही वजहों से दुनिया 1975 में 4 अरब, 1987 में 5 अरब, 1999 में 6 अरब, 2011 में 7 अरब और अब इसी महीने 8 अरब की हो रही है।

## संपादकीय

कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास कराया है कि कोई भी प्राकृतिक आपदा व महामारी अमीर-गरीब मुल्क का भेद नहीं देखती है। इसी तरह पर्यावरण संकट का असर विश्वव्यापी है और सभी विकासशील व विकसित देश इसका ताप महसूस कर रहे हैं।

# हम न बदले तो मानव अस्तित्व पर संकट

पूरी दुनिया को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की उस चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंसानी जीवन को बचाने के लिये अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं बचा है। मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन कॉप-27 में गुतारेस की उक्त टिप्पणी को गंभीर चेतावनी मानते हुए दुनिया के अमीर व गरीब मुल्कों को गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। लेकिन विडंबना यही है कि दुनिया में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर गरीब व विकासशील मुल्कों को जीवाश्म ईंधन का उपयोग बंद करने की दलीलें दे रहे हैं। कोरोना संकट ने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास कराया है कि कोई भी प्राकृतिक आपदा व महामारी अमीर-गरीब मुल्क का भेद नहीं देखती है। इसी तरह पर्यावरण संकट का असर विश्वव्यापी है और सभी विकासशील व विकसित देश इसका ताप महसूस कर रहे हैं। चक्रवात से लेकर अतिवृष्टि व अनावृष्टि का कहर पूरी दुनिया पर दिखायी दे रहा है। तमाम देशों में बारिश के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव आया है। कुल मिलाकर यह संकट किसी देश विशेष का न होकर सारी मानवता का है। ऐसे में जरूरी है कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बचाने के लिये हम अभी से सतर्क होकर युद्ध स्तर पर काम करें। इस बात को शर्म-अल-शेख में जुटे 100 देशों के शासनाध्यक्षों को गंभीरता से महसूस करना चाहिए। पिछले दिनों जारी आक्सफेम की रिपोर्ट ने दुनिया को इस सच से रूबरू कराया है कि दुनिया के सबसे अमीर मुल्क ही कार्बन उत्सर्जन के लिये सबसे ज्यादा जिम्मेदार हैं। जब विकसित देशों ने तमाम उद्योगों के जरिये मोटी कमाई करके प्रदूषण को खराब कर दिया है तो अब विकासशील देशों पर जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को बंद करने के लिये दबाव बनाया जा रहा है, जिससे उनके विकास का पहिया रुक जायेगा। अमेरिका, ब्रिटेन व चीन जैसे देश खूब जीवाश्म ईंधन का प्रयोग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरण बचाने में जिम्मेदारी निभाने से कतराते हैं। जहां तक भारत में पर्यावरण संकट का प्रश्न है तो एक चेतावनी वाली स्थिति बन रही है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग की वह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें उसके वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम हिमालय क्षेत्र के तापमान में बढ़ोतरी से हिमालय की बर्फ बेहद तीव्र गति से पिघल रही है। इससे आने वाले वर्षों में गंगा-यमुना जैसी बड़ी नदियों में पानी का प्रवाह कम हो जायेगा, जिससे करोड़ों की आबादी वाले तमाम शहरों में पेयजल तक का संकट पैदा हो सकता है। वैज्ञानिकों ने यह रिपोर्ट उत्तराखंड, हिमाचल, लद्दाख व जम्मू-कश्मीर में उपग्रहों से मिली जानकारी के आधार पर तैयार की है। दरअसल इस संकट की असली वजह यह है कि हिमालयी क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप व ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। निस्संदेह इससे बर्फ की कमी कमी के चलते सदानीर नदियों में जल संकट पैदा हो जायेगा। सदियों से बहती इन जीवनदायिनी नदियों के बिना मानव अस्तित्व की कल्पना करना कठिन ही होगा। दरअसल, दशकों से पर्यावरण संकट की आहट को बताने वाले विषय विशेषज्ञों की चेतावनी को हमने गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन जब अब संकट सामने खड़ा है तो गंभीर प्रयास करना बेहद जरूरी हो जाता है। हम खुद पर्यावरण के मिजाज में बदलाव को महसूस कर सकते हैं कि नवंबर माह का मध्य आने वाला है, घरों में पंखे बंद नहीं हुए हैं और सर्दी के कपड़े अभी नहीं निकले हैं।

## सूक्ति

विचारकों को जो चीज़ आज स्पष्ट दीखती है दुनिया उस पर कल अमल करती है।
- विनोबा भावे

आत्मविश्वास सरीखा दूसरा कोई मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहयक होता है। - स्वामी विवेकानंद

## लॉफिंग ज़ोन

चोर किसी घर में चोरी करने गया हुआ था. घर का कीमती सामान इकट्ठा करके जैसे ही वह वापस लौटने को हुआ, अचानक एक मेज से टकराकर फर्श पर गिर पड़ा. उसके गिरने की आवाज सुनकर घर की मालकिन जाग गई. बहुत मोटी होने के बावजूद उसने भागकर चोर को पकड़ लिया और उसे नीचे गिरा उसके ऊपर बैठ गई. अपने बेटे को आवाज लगाते हुए उसने कहा, 'पप्पू, बेटा जल्दी से पुलिस को बुला ला.'

पप्पू ने जवाब दिया, 'मम्मी, मेरी चप्पल नहीं मिल रही है.'

'भाई साहब, चप्पल मेरी ले जाओ, लेकिन प्लीज जल्दी से पुलिस को बुला लाओ. मेरा दम घुट रहा है.' मालकिन के नीचे दबे चोर की आवाज बहुत कठिनाई से निकल पाई.

☺ ☺ ☺

सेठ जी - तुम सफाई करते हुए अपने काम से काम रखा करो. आज फिर तुम मेरी अलमारी को घूर रहे थे.

नौकर - मैं अपने काम से काम रखता हूं. आपने ही कहा था कि जहां भी सफाई करनी हो, वहां नजर रखा करो.

☺ ☺ ☺

पिता (अध्यापक से) - मेरा लड़का इतिहास में कैसा है? मैं इस विषय में बहुत कमजोर था.

अध्यापक - यही कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है.

# प्रदूषण व भूजल बर्बादी रोकने का कारगर उपाय

**दिलचस्प बात यह है कि लगभग 40 प्रतिशत धान की कटाई के बावजूद 15 अक्तूबर से पहले सालाना धान पराली जलाने की बहुत कम घटनाएं देखने में आती हैं। बताया जाता है कि किसानों को धान पराली जलाने की विनाशकारी प्रथा को अपनाने के लिए परिस्थितिवश मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि धान कटाई के बाद, खेत तैयार करके रबी फसल गेहूं, सरसों, आलू आदि की बुवाई के बीच 10-15 दिनों की अल्प अवधि मुश्किल से मिलती है। इस खेत तैयारी अवधि को जल्दी पकने वाली धान किस्मों को बढ़ावा देकर, आसानी से बढ़ाया जा सकता है।**

**जल्दी पकने वाली फसल/ डॉ. वीरेंद्र सिंह लाठर**

उत्तर पश्चिम भारत में पिछले 50 वर्षों से धान-गेहूं प्रमुख फसल चक्र है, जहां धान की खेती आमतौर पर रोपा विधि से की जाती है। इसमें 15 जून के बाद धान की रोपाई और 15 अक्तूबर के बाद फसल की कटाई होती है। धान कटाई से गेहूं बुआई के बीच, खेत तैयारी के लिए कम समय मिलने के कारण, किसान धान अवशेष (पराली) को खेत में जलाने को मजबूर होते हैं। इसकी वजह से हर साल 20 मिलियन टन से अधिक धान पराली जलाने से उत्तर पश्चिम भारत विशेष रूप से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र 25 अक्तूबर - 15 नवंबर के दौरान सर्दियों की शुरुआत में गैस चैंबर के रूप में बदल जाता है। जो मानव आबादी के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा कर रहा है। हरित क्रांति दौर में अपनायी गई भूजल बर्बादी वाली रोपाई धान प्रणाली से उत्पन्न पर्यावरण समस्या ने क्षेत्र के प्रमुख हिस्सों में भूजल को खतरनाक ग्रेज़ोन के स्तर तक कम कर दिया है जो वार्षिक वायु प्रदूषण का गंभीर कारण बनता है। इसके कारण राष्ट्रीय नीति निर्माताओं द्वारा धान खेती को बिना किसी वैकल्पिक फसल चक्र सुझाये ही, भारत के पूर्वी क्षेत्र में स्थानांतरित करने की भविष्यवाणी की जाती रही है। पंजाब-हरियाणा सरकार ने भूजल के संरक्षण के लिए 15 जून से पहले धान की रोपाई पर कानूनी प्रतिबंध लगाने के लिए 'भूमिगत जल संरक्षण अधिनियम-2009' लागू किया। हरियाणा सरकार ने 17500 रुपये हेक्टेयर की भारी-भरकम वित्तीय प्रोत्साहन राशि से धान को मक्का और अन्य फसलों के साथ बदलने के लिए तकनीकी रूप से अव्यावहारिक फसल विविधीकरण योजना 'मेरा पानी - मेरी विरासत' को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, धान पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए, सरकारी प्रयास तकनीकी तौर पर अव्यावहारिक साबित हुए जैसा कि धान पराली को अनुपयुक्त पूसा डीकंपोजर छिड़काव से जैविक खाद में बदलना, इथेनॉल और बिजली उत्पादन के लिए धान पराली का उपयोग, किसानों को आर्थिक रूप से लाभकारी निपटान प्रदान किए बिना धान पराली के संग्रह के लिए मशीनरी खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना और व्यावहारिक वैकल्पिक समाधान प्रदान किए बिना धान की पराली जलाने के लिए जुर्माना लगाना आदि जो पूरी तरह से व्यर्थ साबित हुए । दिलचस्प बात यह है कि लगभग 40 प्रतिशत धान की कटाई के बावजूद 15 अक्तूबर से पहले सालाना धान पराली जलाने की बहुत कम घटनाएं देखने में आती हैं। बताया जाता है कि किसानों को धान पराली जलाने की विनाशकारी प्रथा को अपनाने के लिए परिस्थितिवश मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि धान कटाई के बाद, खेत तैयार करके रबी फसल गेहूं, सरसों, आलू आदि की बुवाई के बीच 10-15 दिनों की अल्प अवधि मुश्किल से मिलती है। इस खेत तैयारी अवधि को जल्दी पकने वाली धान किस्मों को बढ़ावा देकर, आसानी से बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए पीबी-1509, पीआर-126 आदि जैसी किस्में जो 120-125 दिनों में पक जाती हैं और सितंबर महीने के अंत तक कटाई हो जाती है, ज्यादा फायदेमंद साबित होंगी। तब किसान धान पराली को मिट्टी में बदलकर ढेंचा आदि हरी खाद या कम अवधि की अतिरिक्त सब्जी फसल आदि भी ले सकते हैं जैसा कि दिल्ली के आसपास के कुछ किसान पहले से ही कर रहे हैं। फिर यदि सितंबर महीने के दौरान खेत में धान पराली जलाने की कुछ घटनाएं होती भी हैं तो अनुकूल जलवायु कारकों के कारण यह गंभीर स्वास्थ्य खतरा साबित नहीं होगा, क्योंकि तब उच्च तापमान, हवा की तेज गति होने से पराली का धुआं वायुमंडल की ऊपरी सतह तक सीमित रहेगा और हल्की मानसून वर्षा से धुल भी जायेगा। इसके अलावा, रोपाई धान की बजाय सीधी बिजाई धान तकनीक (डीएसआर) अपनाने से बिना पैदावार नुकसान के लगभग 40 प्रतिशत भूजल सिंचाई और खेती की लागत को बचाया जा सकता है। इससे भूमि के वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गैस भी कम पैदा होगी। यह धान पराली के प्रबंधन के लिए मिलने वाली अवधि को भी बढ़ा देगा क्योंकि डीएसआर में धान की सभी किस्में रोपाई धान की तुलना में लगभग 10-15 दिन पहले पक जाती हैं। मेरी अनुसंधान टीम ने 2015-2022 के दौरान संशोधित तर वत्तर सीधी बिजाई धान तकनीक के लिए एक नया किसान हितैषी फसल कैलेंडर विकसित किया है। इसमें धान फसल की बुवाई पलेवा-सिंचाई के बाद तैयार अच्छी नमी वाले खेतों में 20 मई से सिफारिश की गई और उसके तत्काल बाद खरपतवार नाशक पेंडिमेथालिन आदि का छिड़काव किया जाता है। बुवाई के बाद पहली सिंचाई 2-3 सप्ताह बाद और बाद की सिंचाई बारिश के आधार पर 7-10 दिनों के वैकल्पिक गीला-सूखा चक्र को अपनाकर की जाती है, जो धान फसल को लगभग खरपतवार मुक्त और बारिश की विफलता के कारण किसी भी संक्षिप्त सूखे की अवधि के खिलाफ प्रतिस्पर्धी बनाता है। 20 मई से बुवाई के साथ नया तर-वत्तर डीएसआर फसल कैलेंडर हरियाणा और पंजाब सरकार द्वारा फसल सीजन-2022 में अपनाया गया और 3 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर हजारों किसानों ने बौनेपन वायरस रोगों और बेमौसम भारी बारिश के बावजूद इससे औसतन 6-7 टन हेक्टेयर पैदावार ली है। किसान अनुकूल पैकेज होने के कारण, इसने अन्य ग्रीष्मकालीन अनाज, तिलहन और दलहन फसलों की तुलना में पानी की आवश्यकता को बहुत कम कर दिया है। कीटों और बीमारियों का प्रकोप भी कम रहा है। डीएसआर का उपयोग करने का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह वर्षा जल से भूजल पुनर्भरण को भी बढ़ाता है। सरकार को 20 मई से तर-वत्तर सीधी बिजाई धान बुआई फसल कैलेंडर को जल्दी पकने वाली धान किस्मों के साथ प्रोत्साहन देना चाहिए जो सितंबर महीने तक पककर जल्दी खेत खाली करे। दूसरा, उत्तर-भारत में लंबी अवधि (130 दिन परिपक्वता या अधिक) की धान किस्मों की बिक्री और बुवाई पर प्रतिबंध।तीसरा, एमएसपी पर सरकारी धान खरीद को 15 सितंबर से 15 अक्तूबर तक पुनर्निर्धारित करना। चौथा, लंबी अवधि की बासमती धान किस्मों की खेती केवल अनुबंध खेती के तहत की जाये, जिसमें धान पराली निपटान की जिम्मेदारी अनुबंधित चावल मिल मालिकों-कंपनी द्वारा होनी चाहिए।

लेखक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में प्रधान वैज्ञानिक रहे हैं।

# अतिवादी नज़रिया बदलने का है वक्त

**क्षमा शर्मा**

पिछले दिनों केरल में पथानामथिट्टा जिले की कलक्टर दिव्या एस. अय्यर चर्चा में आ गईं। कारण था कि वह महिला अपने तीन साल के बेटे को गोद में लेकर भाषण दे रही थीं। अवसर था, एक निजी फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह का। इस घटना का वीडियो वायरल कर दिया गया। लोगों ने इस पर तरह-तरह की बातें कीं। कहा कि दिव्या को अपने बेटे के साथ भाषण नहीं देना चाहिए था कि उन्हें बच्चे को इस आयोजन में साथ नहीं लाना चाहिए था। शोर इतना बढ़ा कि दिव्या को वीडियो हटाना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह यदि चौबीसों घंटे की जिला कलक्टर हैं तो एक मां भी हैं। जाहिर है कि मां बनने और बच्चे की देख-रेख की जिम्मेदारी भी मां और पिता की होती है। आखिर वह अपने बच्चे को साथ ले भी गईं, तो लोगों को इससे क्या तकलीफ होनी चाहिए थी। एक तरफ महिलाओं की इस बात के लिए आलोचना की जाती है कि वे अपनी नौकरी की जिम्मेदारियों के कारण परिवार को भूल जाती हैं, बच्चों तक पर ध्यान नहीं दे पातीं। दूसरी तरफ, अगर एक महिला अधिकारी अपने बच्चे को साथ ले गई और उसे गोद में उठाकर भाषण देने लगी तो लोगों को क्या तकलीफ हुई। अपना देश वही है न, जहां मां को सर्वोपरि बताया जाता है। इसी कारण से न कि मां अपने बच्चों की देखभाल में अपने सुख-दुःख सब भूल जाती है। क्या एक महिला आईएएस होने के नाते दिव्या को अपने बच्चे को भूल जाना चाहिए। अगर वे बच्चे को अपने साथ ले भी आईं तो किसी का क्या नुकसान कर दिया। बच्चे की छुट्टियां भी थीं। आखिर एक बड़ी अधिकारी होने के नाते उनके यहां सहायकों की कोई कमी न रही होगी। फिर भी उन्हें लगा कि बच्चे की छुट्टी है और वे उसे अपने साथ ले जा सकती हैं तो लोगों को इस बात के लिए उनकी आलोचना क्यों करनी चाहिए। यह कितना दुखद है कि कोई स्त्री अपनी घर और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारियों को निभाती है तो आलोचना का पात्र बनती है, और नहीं निभाती तब भी। किसी तरह से तो चैन से जीने दीजिए। यह कोई ऐसा कार्यक्रम भी नहीं था, जिसमें बच्चे के कारण दिव्या की कर्तव्यपरायणता में कोई विघ्न पैदा होता। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा भी अपने साथ बच्चे को ले जाती हैं। उन्होंने 2018 में अपनी तीन महीने की बेटी के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा को सम्बोधित किया था। कई महिलाओं के कार्यक्षेत्र में बच्चों को दूध पिलाने के चित्र भी देखे हैं। उस विचार का क्या करेंगे कि अगर महिला के कार्यक्षेत्र के पास, उसका बच्चा भी है तो वह उसकी चिंता से मुक्त हो जाती है और काम को अधिक मनोयोग से करती है। इसीलिए बहुत से बड़े संस्थानों में महिलाओं को डे केयर सेंटर की सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे कि वे बच्चे को वहां छोड़ सकें और छुट्टी के बाद उसे अपने साथ ले जा सकें। हम अपनी सोच को बदलना ही नहीं चाहते। एक महिला अधिकारी इतना डरती क्यों है कि वह कुछ भी करे, फौरन लोग उस पर टूट पड़ते हैं। कायदे से तो इस घटना की तारीफ होनी चाहिए थी, लेकिन मिली आलोचना और निंदा। बाहर वाले कौन होते हैं जो एक अधिकारी को उसकी ये जिम्मेदारी बताएं कि उसे अपने बच्चे को कहां ले जाना चाहिए, कहां नहीं। दूसरे किसी के निजी जीवन के बारे में फैसला कैसे कर सकते हैं। यह कहना कि यह किसी अधिकारी की कार्य- संस्कृति के खिलाफ है। कैसे। कहां लिखा है। किस कानून में है। जिस संस्कृति की ठेकेदारी की जा रही है, वही तो बताती है कि एक महिला को अपने बच्चे की देखभाल करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। कुछ साल पहले एक आईएएस अधिकारी ही अपने नवजात शिशु को दफ्तर ले आई थी। मां और बच्चे को दूर करने के लिए ऐसे फालतू तर्क क्यों। कृपया संस्कृति के नाम पर अपने विचारों को दूसरों पर मत थोपिए। आपको अपनी मां तो बहुत अच्छी लगती होगी, जिसने रात-दिन आपकी देखभाल की, लेकिन दूसरी मां अच्छी सिर्फ इसलिए नहीं लग रही कि वह एक बड़ी अधिकारी भी है, तो यह आपकी वही सोच है जो महिलाओं को अपने विचार के कोड़े से पीटती है। इसी के उलट एक दूसरी घटना कर्नाटक में हुई। एक लड़की की पहली शादी नहीं चली। उसने दूसरी शादी की, उसमें भी झगड़े होने लगे। बताया जाता है कि वह पुरुषों से सख्त नफरत करने लगी। इसी दौरान वह गर्भवती हो गई। उसने मन्नत मांगी थी कि बेटी चाहिए। लेकिन बेटे को जन्म दिया। जब उसे इस बारे में पता चला तो वह परेशान हो उठी। उसने अपनी एक रिश्तेदार से कहा कि उसे बेटा नहीं, बेटी चाहिए थी। अस्पताल से छुट्टी के बाद वह घर आई और उसी दोपहर उसने अपने घर के सामने वाले कुएं में बच्चे को फेंक दिया। दो लोगों ने कुएं में उतरकर बच्चे को बाहर भी निकाला। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुरुषों से नफरत करते-करते वह अपने ही बच्चे की हत्यारी बन बैठी। एक तरफ लड़कियों को इस तरह मारे जाने की घटनाएं प्रकाश में आती हैं। लेकिन यह मां पुरुषों से ही इतनी नफरत करने लगी कि उसका बेटा भी वैसा ही पुरुष बनेगा, जिन्होंने पति के रूप में सताया है। ये दोनों ही घटनाएं दक्षिण भारत की हैं। एक तरफ दिव्या हैं, जो दोहरी जिम्मदारी निभा रही हैं और उसके लिए आलोचना झेल रही हैं, दूसरी तरफ वह मां है, जो लड़की की चाहत में बेटे को मार देने से नहीं चूकती। दरअसल, ये दोनों बातें इसी का उदाहरण हैं कि अतिवादी विचार किसी को जीने नहीं देता। एक तरफ वह अति है कि मां अगर अधिकारी है, तो बच्चे को साथ नहीं ले जा सकती। दूसरी तरफ वह अति है कि लड़की नहीं हुई, तो लड़के को मार दो। स्त्रीवादी विचार को यह भी सोचना चाहिए कि लड़की-लड़की गाते-गाते, क्या वे इस संसार से समस्त पुरुषों का खात्मा करना चाहते हैं। क्या पुरुषों को इस धरती पर रहने का अधिकार नहीं। या कि पुरुषों ने अब तक आपके साथ जितने भी तरह के अत्याचार किए हैं, आप भी उनके साथ वैसा ही करना चाहती हैं। तो बदला क्या। हम तो एक तरह से उसी जाल में जा फंसे, जिससे निकलना चाहते थे। कोई यह तर्क दे सकता है कि आखिर एक घटना से इतनी जल्दी ऐसे निष्कर्ष क्यों निकाल लिए गए। लेकिन शुरू में घटनाएं एक-दो होती हैं, बाद में वे बढ़ती जाती हैं। हर तरह की अति से बचने जरूरत है। पहले कार्पोरेट में महिलाओं को इसलिए नौकरी नहीं दी जाती थी कि कल इनकी शादी हो जाएगी, फिर इनके बच्चे हो जाएंगे तो ये तो अपने घर-परिवार में ही फंसी रहेंगी, काम क्या करेंगी। यह एक वह रेखा थी जिसे महिला बड़ी मुश्किल से लांघ पाती थी। कुछ संस्थानों में तो महिलाओं को मैटरनिटी की छुट्टी देने से भी मना कर दिया जाता था।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

## (चिंतन-मनन)

# संवेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यं को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

# बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

## ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

## छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

## स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

## स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

## क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

## हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

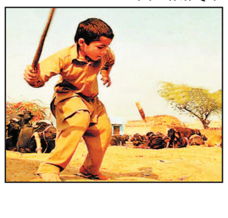

## फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

## टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।

## बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी। इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

## वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

## पिट्ठू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

## बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

## ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

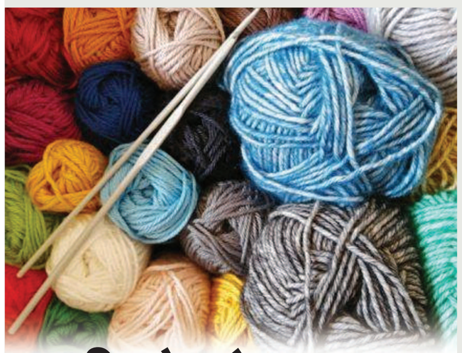

# बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

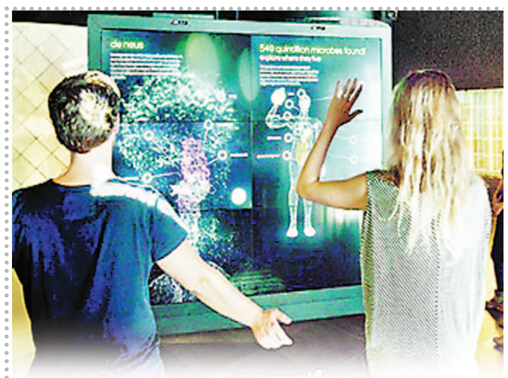

# नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

**नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।**

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

# इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आडटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

## जेट एयरवेज को 308 करोड़ का घाटा

**नई दिल्ली ।** एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज को सितंबर में समाप्त तिमाही में 308.24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। एयरलाइन कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जेट एयरवेज का परिचालन तीन साल से अधिक से बंद है। विमानन कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 305.76 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया था। कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत जालान फ्रिट्स गठजोड़ एयरलाइन के लिए विजेता बोलीदाता के रूप में उभरा था। पिछले साल जून में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गठजोड़ की समाधान योजना को मंजूरी दे दी थी। हालांकि, जेट एयरवेज अबतक परिचालन शुरू नहीं कर पाई है। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में जेट एयरवेज की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 45.01 करोड़ रुपए से घटकर 13.52 करोड़ रुपए रह गई। सितंबर तिमाही में जेट एयरवेज का कुल खर्च भी बढ़कर 321.76 करोड़ रुपए हो गया।

## भारतीय आईटी कंपनी जोहो ने कम कर दी नई भर्तियां

**नई दिल्ली ।** मंदी की आशंका और कारोबार में कमजोरी के चलते ट्विटर और मेटा जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियों ने हजारों कर्मचारियों की छंटनी कर दी। इसी कड़ी में भारतीय आईटी कंपनी ज़ोहो ने भी नई भर्तियों को कम कर दिया है। ज़ोहो के को-फाउंडर और सीईओ श्रीधर वेम्बु ने चेताया कि ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेक्टर में एक बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी, जिसके चलते उन्होंने कंपनी में हायरिंग प्रोसेस को धीमा कर दिया है। ज़ोहो के दुनिया भर में 11,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। जुलाई में कंपनी ने ऐलान किया था कि वह भारत और विश्व स्तर पर अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए 2000 कर्मचारियों को काम पर रखेगी। वेम्बू ने कहा कि कंपनी ने पहले घोषित योजनाओं के अनुसार अधिकांश कर्मचारियों को काम पर रखा है।हम अभी भी लोगों को काम पर रख रहे हैं लेकिन हायरिंग प्रोसेस को बहुत धीमा कर दिया है लेकिन मैं यह सुनिश्चित करना चाहूंगा कि कि हमारे कर्मचारियों की नौकरियां सुरक्षित हैं। जोहो के सह-संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बु ने एक साक्षात्कार में यह बात कही।

## त्यौहारी सीजन में देश में यात्री वाहनों की ब्रिकी 29 प्रतिशत बढ़ी

**मुंबई ।** देश में त्यौहारों के दौरान मांग में तेजी के कारण देश में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री अक्टूबर 2022 में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 2,91,113 इकाई पर पहुंच गई। वाहन बनाने वाली कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी देकर कहा कि त्यौहारी सीजन में मजबूत मांग के कारण वृद्धि देखी गई है। अक्टूबर 2021 में 2,26,353 यात्री वाहनों की डीलरों को आपूर्ति की थी। वहीं, दोपहिया वाहनों की बिक्री भी अक्टूबर, 2022 में दो प्रतिशत बढ़कर 15,77,694 इकाई हो गई। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, त्यौहार के दौरान मांग में वृद्धि और बाजार धारणा अच्छी होने से अक्टूबर में बिक्री भी अच्छी रही, विशेषकर यात्री वाहनों की। उन्होंने बताया कि ऊंची मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने ग्रामीण बाजार को ज्यादा प्रभावित किया है, इसकारण दो पहिया वाहन श्रेणी में वृद्धि मामूली रही। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 54,154 इकाई हो गई। यात्री वाहन, तिपहिया वाहन और दोपहिया वाहन की कुल बिक्री मिलाकर पिछले महीने 19,23,032 वाहन बिके जो अक्टूबर 2021 की 18,10,856 इकाइयों की तुलना में छह फीसदी अधिक है।

# अक्टूबर में महंगाई दर 7% से नीचे रह सकती है, RBI गवर्नर शक्तिकांत दास का अनुमान

**(एजेंसी)**

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि अक्टूबर के लिए महंगाई का आंकड़ा 7 फीसदी से कम रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि दो से छह फीसदी के महंगाई के लक्ष्य को बदलने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, इसे बदलने पर काफी बहस है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि भारत के कुल माइक्रो इकोनॉमिक फंडामेंटल्स वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों सरकार और आरबीआई महंगाई की चुनौती से प्रभावी तरीके के साथ निपट रहे हैं।

देश की आर्थिक ग्रोथ पर बोलते हुए दास ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और केंद्रीय बैंक का अनुमान है कि इस साल भारत की आर्थिक ग्रोथ सात फीसदी रहेगी। दास ने यह भी कहा कि बैंकिंग सेक्टर स्थिर बना हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्तमान हालात में ग्रोथ के आंकड़े अच्छे दिख रहे हैं। उनका अनुमान है कि इस साल भारत करीब सात फीसदी की दर से ग्रोथ करेगा। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि आईएमएफ ने अनुमान जताया है कि भारत मौजूदा साल में करीब 6.8 फीसदी की दर से बढ़ेगा और यह भारत को दुनिया में सबसे तेजी के ग्रोथ करती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच लाकर रखता है।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने कोविड-19 महामारी, यूक्रेन में युद्ध और अब वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव के तीन बड़े झटकों को झेला है और इसके बचे असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं जैसे भारत द्वारा महसूस किए जा रहे हैं। दास ने बोलते हुए यह भी कहा कि पूरा यूरोपीय यूनियन आज मंदी की कगार पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी स्थिर बना हुआ है। दूसरे देशों की ग्रोथ भी धीमी पड़ी है। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, हालांकि, जहां तक भारत की बात है, माइक्रो इकोनॉमिक फंडामेंटल्स, वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता, ये सभी चीजें मजबूत बनी हुई हैं।

## अमेरिका ने भारत को मुद्रा निगरानी सूची से हटाया

**वाशिंगटन ।** अमेरिका के वित्त विभाग ने इटली, मेक्सिको, थाईलैंड, वियतनाम के साथ भारत को प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की मुद्रा निगरानी सूची से हटा दिया है। भारत पिछले दो साल से इस सूची में था। इस व्यवस्था के तहत प्रमुख व्यापार भागीदारों के मुद्रा को लेकर गतिविधियों तथा वृहत आर्थिक नीतियों पर करीबी नजर रखी जाती है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेङ्न ने अपनी भारत यात्रा के साथ हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बैठक की। इसी दिन अमेरिका के वित्त विभाग ने यह कदम उठाया है। वित्त विभाग ने संसद को अपनी छमाही रिपोर्ट में कहा कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, मलेशिया, सिंगापुर और ताइवान सात देश हैं जो मौजूदा निगरानी सूची में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन देशों को सूची से हटाया गया है उन्होंने लगातार दो रिपोर्ट में तीन में से सिर्फ एक मानदंड पूरा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपने विदेशी विनिमय हस्तक्षेप को प्रकाशित करने में विफल रहने और अपनी विनिमय दर तंत्र में पारदर्शिता की कमी के चलते वित्त विभाग की नजदीकी निगरानी में है।

## भारत रूस से जितना चाहे उतना कच्चा तेल खरीद सकता है: अमेरिका

**नई दिल्ली ।** भारत के स्पष्ट रवैये के बाद अब अमेरिका ने कहा है कि वह जितना चाहे उतना रूस से तेल खरीदना जारी रख सकता है उसे कोई आपे त्ति नहीं है। वह चाहे तो जी7 द्वारा लगाए गए प्राइस कैप सिस्टम से ऊपर की कीमतों पर भी तेल खरीदे। यूएस ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने यह बात कही। पहले अमेरिका समेत यूरोपीय देश रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने के लिए भारत पर दवाब भी बना रहे थे। दरअसल रूस के क्रूड ऑयल पर प्राइस कैप लगने से मॉस्को को कच्चा तेल बेचने पर जो मुनाफा हो रहा है उसमें कमी आएगी। येलन ने अमेरिका और भारत के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए आयोजित एक सम्मेलन में न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि रूस के रेवेन्यू पर अंकुश लगाते हुए यह कैप अभी भी वैश्विक तेल की कीमतों को कम करेगा। येलेन के मुताबिक रूस उतना तेल नहीं बेच पाएगा, जितना अब यूरोपीय संघ द्वारा आयात बंद कर दिया गया है, वो भी बिना कैप्ड कीमत या मौजूदा कीमतों से महत्वपूर्ण छूट का सहारा लिए हुए। येलेन ने कहा कि तेल की कीमतों में कैप के अस्तित्व में आने से भारत-चीन और रूसी कच्चे तेल के अन्य प्रमुख खरीदारों को मॉस्को को भुगतान की जाने वाली कीमत को कम करने में मदद मिलेगी। येलन ने कहा` कि रूसी तेल सस्ते दामों पर बिक रहा है और हम खुश हैं कि भारत को बेहतर सौदा मिल गया है। भारत और निजी भारतीय तेल कंपनियां किसी भी कीमत पर तेल खरीद सकती हैं, जब तक वे इन पश्चिमी सेवाओं का उपयोग नहीं करते हैं और अन्य सेवाएं नहीं ढूंढते लेते हैं। हाल ही में रूस के दौरे पर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कहा था कि रूस से तेल का आयात सुनिश्चित करना नई दिल्ली का मौलिक दायित्व है कि भारतीय उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजारों में सबसे फायदेमंद शर्तों पर सर्वोत्तम डील प्राप्त हो।

# (शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की रही तेजी

**मुंबई ।**

अमेरिका के उम्मीद से कम रहे महंगाई आंकड़े, एफआईआई की तरफ से लगातार हो रही खरीदारी, मजबूत होता रुपया और इंडिया इंक का मजबूत प्रदर्शन, ये कुछ ऐसे कारण रहे जिन्होंने बाजार के लिए ईंधन का काम किया। जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी लगभग दो फीसदी तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह मंगलवार को गुरुनानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे इसे लिए शेयर बाजार में चार कारोबारी` दिन ही कारोबार हुआ। सोमवार को तेजी के साथ खुला शेयर बाजार सप्ताह के ओ खिर में शुकवार को लगभग दो फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। बीते चार कारोबारी ` दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच बीते सप्ताह सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 362.24 अंक या 0.59 प्रतिशत के लाभ से 61,312.60 अंक पर खुला और 234.79 अंक की बढ़त के साथ 61,185.15 अंक पर बंद हुआ। सी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी शुरुआती कारोबार में 104.55 अंक के लाभ से 18,221.70 अंक पर खुला और 85.65 अंक की बढ़त के साथ 18,202.80 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 173.62 अंक के लाभ से 61,358.77 अंक पर खुला और 151.60 अंक टूटकर 61,033.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी शुरुआती कारोबार में 56.70 अंक के लाभ से 18,259.50 अंक पर खुला और 45.80 अंक की गिरावट के साथ 18,157 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 280.36 अंक गिरकर 60,753.19 पर खुला और 419.85 अंक की गिरावट के साथ 60,613.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 87.35 अंक गिरकर 18,069.65 अंक पर खुला और 128.80 अंक की गिरावट के साथ 18,028.20 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 809.64 अंक बढ़कर 61,423.34 अंक पर खुला और 1,181.34 अंक (1.95 प्रतिशत) बढ़कर 61,795.04 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 239.70 अंक बढ़कर 18,267.90 अंक पर खुला और 321.50 अंक (1.78 प्रतिशत) की तेजी के साथ 18,349.70 पर बंद हुआ।

# देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट

### - विदेशी मुद्रा भंडार 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.99 अरब डॉलर रह गया

**मुंबई ।**

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से गिरावट देखी गई है। चार नवंबर 2022 को समाप्त सप्ताह में यह इसका कारण स्वर्ण भंडार में आई भारी गिरावट है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। रिजर्व बैंक के मुताबिक 28 अक्टूबर 2022 को समाप्त सप्ताह में अपना विदेशी मुद्रा भंडार 6.56 अरब डॉलर बढ़ा था। उस समय यह बढ़ कर 531.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। यह वर्ष के दौरान किसी एक सप्ताह में आई सबसे अधिक तेजी थी। एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। देश के मुद्रा भंडार में गिरावट आने का मुख्य कारण यह है कि वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपए की गिरावट को थामने के लिए केन्द्रीय बैंक मुद्रा भंडार से मदद ले रहा है। खुले बाजार में भी रुपए की कीमत थामने के लिए डॉलर की बिक्री करनी पड़ रही है। इसी वजह से डॉलर का भंडार कम हो रहा है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार चार नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 12 करोड़ डॉलर घटकर 470.73 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दर्शाया जाता है। आंकड़ों के अनुसार, मूल्य के संदर्भ में देश का स्वर्ण भंडार 70.5 करोड़ डॉलर घटकर 37.057 अरब डॉलर रह गया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार 23.5 करोड़ डॉलर घटकर 17.39 अरब डॉलर रह गया है। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 2.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर रह गया।

## रिलायंस बनाएगी देश का पहला मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क

**नई दिल्ली ।** देश के दूसरे सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज चेन्नई में देश में पहला मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्क बनाएगी। इस अत्याधुनिक फ्रेट हैंडलिंग फैसिलिटी में कई तरह के ट्रांसपोर्ट के एक्सेस होगा और इसे तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मोड में बनाए जा रहे इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 1424 करोड़ रुपए है। इसमें करीब 783 करोड़ रुपए का निवेश रिलायंस करेगी। रोड्स, ट्रांसपोर्ट और हाइवे मिनिस्ट्री ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसका पहले चरण का काम 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही इसका कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हो जाएगा। 184.25 एकड़ में बन रहे इस पार्क को 45 साल के कंसेशन पीरियड के लिए दिया जाएगा। माना जा रहा है कि यह 71.7 लाख मीट्रिक टन कार्गो हैंडल करेगा। ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री की पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पूरे देश में इस तरह के 35 पार्क बनाने की योजना है। इससे विभिन्न इकनॉमिक जोंस को मल्टीमोडल कनेक्टिविटी से जोड़ा जाएगा। मंत्रालय ने अगले तीन साल के दौरान 15 ऐसे पार्कों को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है।

# टोयोटा जल्द लांच करेगी अपनी एसयूवी हाईराइडर नए सीएनजी वेरिएंट को

**नई दिल्ली ।**

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर जल्द ही बाजार में अपनी मशहूर मिड-साइज़ एसयूवी हाईराइडर के नए सीएनजी वेरिएंट को लांच करने जा रहा है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर एसयूवी की बुकिंग शुरू कर दी है। ये देश की पहली एसयूवी होगी, इस कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ लांच किया जाएगा। रेगुलर पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन के साथ आने वाली इस एसयूवी को कंपनी ने इसी साल बाजार में पेश किया था, जिसकी कीमत 10.48 लाख रुपये से लेकर 18.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है। हालांकि नए सीएनजी मॉडल की कीमत थोड़ी ज्यादा होगी, लेकिन इससे बेहतर माइलेज की पूरी उम्मीद की जा सकती है। बता दें कि, हाईराइडर को संयुक्त रूप से टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन और सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने मिलकर तैयार किया है। इसी एसयूवी पर बेस्ड मारुति सुजुकी ने हाल ही में अपनी ग्रेट विटारा को भी लांच किया था। टोयोटा की ये एसयूवी स्ट्रांग हाइब्रिड और माइल्ड हाइब्रिड दोनों इंजन विकल्प के साथ बिक्री के लिए उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि इसका स्ट्रांग हाइब्रिड वेरिएंट 27.97 किलोमीटर प्रतिलीटर, माइल्ड हाइब्रिड (मैनुअल) वेरिएंट 21.12 किलोमीटर प्रतिलीटर, ऑटोमेटिक वेरिएंट 19.39 किलोमीटर प्रतिलीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। कंपनी इसके सीएनजी वेरिएंट में 1.5 लीटर की क्षमता का के-सीरीज इंजन इस्तेमाल करेगी, जो कि 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से लैस होगा। बताया जा रहा है कि इसका सीएनजी वेरिएंट 26.1 किलोमीटर प्रतिकिलोग्राम तक का माइलेज देगा। फिलहाल ये एसयूवी कुल चार वेरिएंट्स में आती है, जबकि इसका सीएनजी मॉडल कुल दो वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा। कीमत में ये रेगुलर पेट्रोल मॉडल के मुकाबले तकरीबन 1 लाख रुपये तक महंगी हो सकती है, बहुत जल्द ही इसकी कीमत का भी खुलासा होगा। कंपनी फिटेड सीएनजी किट के अलावा एसयूवी के एक्सटीरियर या इंटीरियर में किसी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं है। फीचर्स के तौर पर मौजूदा हाईराइडर में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, ट्वीन एलईडी डे टाइम रनिंग लाइट्स, 17 इंच का अलॉय व्हील, एलईडी टेल लाइट्स, पैनारोमिक सनरूफ, हेड-अप डिस्प्ले, टेलेस्कोपिक स्टीयरिंग, 9 इंच का स्मार्ट प्लेकास्ट ट्चस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट और 360 डिग्री कैमरा जैसी सुविधाएं मिलती हैं। कंपनी सीएनजी वेरिएंट्स में भी इन फीचर्स को शामिल करेगी।

## साइबरस्टेर ईवी स्पोर्ट्स कार का ग्लोबल डेब्यू अगले साल

### -कार की डिलिवरी साल 2024 में होगी शुरू

**नई दिल्ली ।**

कार बनाने वाली कंपनी एमजी की साइबरस्टेर ईवी स्पोर्ट्स कार का ग्लोबल डेब्यू अप्रैल महीने में होगा। एमजी स्पोर्ट्सकार, जिसे पहली बार 2021 साइबरस्टर कॉन्सेप्ट के तौर पर पेश किया गया था और आंतरिक रूप से 'प्रोजेक्ट ई' के तौर पर जाना जाता है। इस कार की डिलिवरी साल 2024 में शुरू होगी।अगस्त में एमजी साइबरस्टर के टीज़र में रोडस्टर के स्लीक, लॉन्ग सिल्हूट, इलेक्ट्रिक फोल्डिंग कैनवास रूफ, योक स्टीयरिंग व्हील, टू-टोन स्पोर्ट्स सीट और खास एलईडी हेडलाइट्स शोकेस गए थे।इस साल की शुरुआत में, ब्रांड ने एमजी सी ईवी नाम का ट्रेडमार्क फाइल किया था.इस को कार को हाल ही में चीन में टेस्टिंग करते देखा गया था।यह कार टू व्हील ड्राइव के साथ आ सकती है। इसे कार को एमजी के उत्पादन मॉडल के अनुरूप लाने और इसे ग्लोबल होमोलॉगेशन नियमों के अनुरूप बनाने के लिए फिर से डिजाइन किया गया है।उदाहरण के लिए, यह पहले की तुलना में लो ग्राउंड क्लियरेंस के साथ आती है और पहिए छोटे होते हैं। कॉन्सेप्ट एक बीस्पोक ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित है, जो 3.0 सेकंड में 0-100केएमपीएच की स्पीड पकड़ सकती है, और एमजी के नए यूथ ओरिएंटेड साइबर ब्रांड है जो कम कीमत वाले सेगमेंट में लॉन्च की जाएगी।यह एमजी के बाकी अंतरराष्ट्रीय लाइन-अप से ऊपर बैठे हुए एक हेलो मॉडल बन जाएगा।स्पाई इमेज इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह टू-सीटर होगी, हालांकि इसमें कॉन्सेप्ट के ओपन-कॉकपिट अरेंजमेंट के साथ चिपके रहने के बजाय फोल्डिंग रूफ की सुविधा है.जबकि प्रोडक्शन कार का सिल्हूट कॉन्सेप्ट वर्जन से काफी मिलता जुलता है।

## नई स्मार्टफोन सीरीज दिसंबर में लॉन्च करेगी शाओमी

### -कैमरा मॉड्यूल और डिजाइन देखकर रह जाएंगे हैरान

**नई दिल्ली ।** शाओमी कंपनी अगले महीने दिसंबर में अपनी नई स्मार्टफोन सीरीज लॉन्च करने की तैयारी में है। हालांकि सीरीज के वनीला मॉडल शाओमी 13 की जानकारी सामने आ गई है। लीक हुई फोन इमेज से पता चलता है कि शाओमी 13 सीरीज में नए डिजाइन का कैमरा मॉड्यूल मिल सकता है।

नई सीरीज में शाओमी 13 और शाओमी 13 प्रो स्मार्टफोन शामिल हैं। नए फोन इसमें ट्रिपल कैमरा सेटअप मिल सकता है और फोन के डिस्प्ले का कॉर्नर थोड़ा कर्व्ड होगा.लीक के अनुसार फोन के टॉप लेफ्ट कॉर्नर में स्क्वेयर शेप्ड कैमरा मॉड्यूल दिया गया है।रिपोर्ट के अनुसार फोन व्हाइट कलर में आएगा और कुछ दिन बाद कंपनी ने इसे दूसरे कलर ऑप्शन्स में पेश करेगी।इसके अलावा फोन में 4,800 एमएएच बैटरी यूनिट हो सकती है। लीक से पता चला है कि शाओमी 13 स्मार्टफोन में फ्लैट डिस्प्ले पैनल मिलेगा।वहीं, फोन के सेंटर में पंच होल नॉच मिलेगा।कंपनी दोनों फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दे सकती है और डिस्प्ले का कॉर्नर थोड़ा कर्व्ड हो सकता है।कंपनी शाओमी 13 फोन में स्नैपड्रेगन 8 जेन 2 प्रोसेसर ऑफर कर सकती है.इसके अलावा फोन के टॉप लेफ्ट कॉर्नर में स्क्वेयर शेप्ड कैमरा मॉड्यूल दिया गया है. शाओमी 13 में कंपनी ने पावर बटन राइट एज साइड दिया गया।इसके अलावा स्मार्टफोन में टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट सपोर्ट भी मिलता है।लीक हुई रिपोर्ट के मुताबिक इस स्मार्टफोन का डिस्प्ले 6.2 इंच का है, जो फुल एचडी रेजूलोशन मिल सकता है।वहीं, शाओमी 13प्रो में क्यूएचडी + रिज़ॉल्यूशन के साथ 6.65-इंच की ओलेड स्क्रीन होगी।प्रो मॉडल में 50-मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड-एंगल और टेलीफोटो सेंसर भी हो सकता है।सेल्फी के लिए फ्रंट में 32-मेगापिक्सल का कैमरा हो सकता है।

टिप्सटर योगेश बराड़ ने ट्विटर पर दावा किया कि शाओमी13प्रो थोड़ी बड़ी बैटरी के साथ आ सकता है।हुड के तहत इसमें एक 4,800 बैटरी यूनिट हो सकती है।

उम्मीद है कि कंपनी पिछले वेरिएंट की तरह ही फोन के बॉक्स में 120 डब्ल्यू फास्ट चार्जर देगी।फोन पैनल में कम से कम 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के लिए सपोर्ट होने की उम्मीद है।

## कच्चे तेल में तेजी, देश कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटीं

### - ब्रेंट क्रूड 2.32 डॉलर बढ़कर 95.99 डॉलर प्रति बैरल पर

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को थोड़ी तेजी देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 2.32 डॉलर बढ़कर 95.99 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर डब्े ले यूटीआई 2.49 डॉलर 88.96 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.66 रुपए सस्ता होकर पेट्रोल 105.96 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.64 रुपए घटकर होकर 92.49 रुपए पर पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.60 रुपए सस्ता होकर 102.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.59 रुपए की गिरावट के साथ 95.96 रुपए का हो गया है। हिमाचल प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना में पेट्रोल की कीमतों में हल्की तेजी दिख रही है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.4 रुपए और डीजल 89.92 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

# टी20 वर्ल्ड कप 2022 को आज मिलेगा नया विजेता, बारिश ने धोया मैच तो जानें क्या होगा

**एडीलेड (एजेंसी)।**

टी20 वर्ल्ड कप 2022 अपने अंजाम तक पहुंचने वाला है। फाइनल मुकाबला रविवार 13 नवंबर को मेलबर्न के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। क्रिकेट के महामुकाबले पर दुनिया भर की नजरें रहने वाली है। फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा।

गौरतलब है कि वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के दौरान बारिश ने काफी अहम भूमिका निभाई है। सुपर 12 में कई मैचों को बारिश के कारण रद्द किया गया। वहीं अब फाइनल मैच में भी अनिश्चित्ता के बादल मंडरा रहे है। बता दें कि इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच होने वाले फाइनल मुकालबे पर बारिश का साया होने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक फाइनल

मुकाबले के दिन मेलबर्न में बारिश की 95 प्रतिशत संभावना रहने वाली है। इसमें 25 मिली मीटर तक बारिश होने की संभावना भी जताई गई है। हालांकि अगर इस दिन मैच बारिश के कारण नहीं होता है तो रिजर्व डे पर मैच का आयोजन किया जाएगा। मगर ऑस्ट्रेलिया में रिजर्व डे के दिन भी बारिश की संभावना है। इस दिन पांस से 10 मिली मीटर तक बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। बता दें कि आईसीसी ने नियम के मुताबिक अगर रिजर्व डे पर भी मैच का कोई नतीजा नहीं निकलता है तो इंग्लैंड और पाकिस्तान दोनों को ही संयुक्त रुप से विजेता घोषित किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और श्रीलंका भी संयुक्त विजेता बने थे।

### ये है नियम

बता दें कि अगर किसी कारण से टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला नहीं होता है तो इसके लिए आईसीसी के नियम भी है। आईसीसी के नियम के मुताबिक इस टूर्नामेंट के प्लेऑफ मैचों में डकवर्थ लुईस नियम से नतीजा निकाला जा सकता है ताकि एक टीम विजेता घोषित हो सके। हालांकि डकवर्थ लुईस नियम से नतीजा निकालने के लिए 10-10 ओवरों का खेल होना अनिवार्य होता है। ऐसे में अगर बारिश के चलते रविवार को फाइनल मुकाबला होता है तो दोनों ही टीमों को कम से कम 10 ओवर खेलने होंगे। अगर 10-10 ओवरों का खेल भी पूरा नहीं हो पाया तो खेल जहां से रूका था, वहीं से रिजर्व डे में शुरू होगा। वहीं अगर दोनों टीमों ने टॉस कर लिया तो इस गेम शुरू होना माना जाएगा।

### ऐसा है दोनों टीमों का आंकड़ा

टी20 वर्ल्ड कप का खिताब पाकिस्तान और इंग्लैंड दोनों ही एक एक बार अपने नाम कर चुकी है। अब दोनों ही टीमें दूसरी बार वर्ल्डकप की दावेदारी पेश करने मैदान पर उतरेगी। पाकिस्तान वर्ष 2009 में और इंग्लैंड 2012 में टी20 वर्ल्ड चैंपियन बन चुकी है। इसके अलावा पाकिस्तान वर्ष 2007 और 2009 में टी20 वर्ल्डकप का फाइनल मुकाबला खेल चुकी है। इंग्लैड की टीम इस बार चौथी बार फाइनल मुकाबले खेलने उतरेगी। इंग्लैंड की टीम 2009, 2010 और 2016 में फाइनल मुकाबला खेल चुकी है। यानी ये दूसरा मौका है जब पाकिस्तान और इंग्लैंड फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगी। पाकिस्तान जहां इस मैच में जीत हासिल करने उतरेगी वहीं इंग्लैंड पाकिस्तान के पिछली हार का बदला लेना चाहेगी।

# आईसीसी के दोबारा अध्यक्ष बने ग्रेग बार्कले, जय शाह को भी मिली अहम जिम्मेदारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

न्यूजीलैंड की ग्रेग बार्कले को सर्वसम्मति से एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का नया चेयरमैन चुन लिया गया। ग्रेग बार्कले का यह दूसरा कार्यकाल है। इसके अलावा बीसीसीआई के सचिव जय शाह को भी आईसीसी में ताकतवर पद मिला है। जय शाह वित्त और वाणिज्य मामलों की समिति के प्रमुख होंगे। बार्कले का कार्यकाल 2 वर्षों का होगा। जिंबाब्वे के तावेंग्वा मुकुहलानी ने अपना नाम वापस ले लिया था जिसके बाद से बार्कले को निर्विरोध चुना गया। आईसीसी की ओर से इस बात की पुष्टि भी कर दी गई है। अपनी नियुक्ति के बाद बार्कले ने यह भी कहा है कि आईसीसी का फिर से चेयरमैन चुना जाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं समर्थन करने वाले लोगों को शुक्रिया करना चाहूंगा।

आपको बता दें कि बार्कले पहली बार 2020 में आईसीसी के चेयरमैन बने थे। इससे पहले भी न्यूजीलैंड क्रिकेट के चेयरमैन और 2015 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के निदेशक भी रह चुके हैं। बार्कले को बीसीसीआई का भी समर्थन हासिल था। हालांकि, पहले खबर आई थी कि सौरव गांगुली को इस पद के लिए आगे किया जा सकता है। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसको लेकर देश में राजनीति भी खूब हुई। बात अगर जय शाह की करें तो शाह को आईसीसी की सबसे महत्वपूर्ण समिति की अध्यक्षता की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यह समिति सभी बड़े वित्तीय नीतिगत फैसले करती है जिसके बाद आईसीसी बोर्ड इन्हें मंजूरी देता है।

सूत्रों ने बताया कि प्रत्येक सदस्य ने जय शाह को वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति के प्रमुख के तौर पर स्वीकार कर लिया। आईसीसी चेयरमैन के अलावा यह समान रूप से ताकतवर उप समिति है। इस समिति के काम में सदस्य देशों के बीच राजस्व साझा करना शामिल है। वित्त एवं वाणिज्यिक मामलों की समिति का प्रमुख हमेशा आईसीसी बोर्ड सदस्य होता है और शाह का चुना जाना स्पष्ट करता है कि वह आईसीसी बोर्ड में बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस समिति के प्रमुख का पद एन श्रीनिवासन के दौर में भारत का हुआ करता था लेकिन शंशाक मनोहर के आईसीसी चेयरमैन के कार्यकाल में बीसीसीआई की ताकत काफी कम हो गयी थी।

# अगले टी20 वर्ल्ड कप में नहीं होने चाहिए कुछ सीनियर खिलाड़ी, नए लोगों को मिलना चाहिए मौका: सहवाग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत की हार के बाद वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की जमकर निंदा कर रहे हैं। कुछ टीम की बैटिंग पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि टी20 जैसे फॉर्मेट में कई सीनियर खिलाड़ी फिट नहीं बैठते। इस बीच भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वह अगले विश्व कप में मौजूदा टीम के कुछ चेहरे नहीं देखना चाहते हैं। टी20 वर्ल्ड कप का अगला संस्करण 2024 में खेला जाएगा और सहवाग का मानना है कि इस वर्ल्ड कप के लिए भारत को अभी से ही एक युवा टीम तैयार करनी चाहिए। भारतीय पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा मैं मानसिकता के बारे में बात नहीं करूंगा, लेकिन मैं निश्चित रूप से खिलाड़ियों में बदलाव देखना चाहता हूं। मैं अगले विश्व कप में कुछ चेहरे नहीं देखना चाहता। यह 2007 टी20 विश्व कप में भी हुआ था। इतने सालों से खेलने वाले दिग्गज खिलाड़ी उस विश्व कप में नहीं गए थे। युवाओं का एक ग्रुप गया और किसी को उनसे कोई उम्मीद नहीं थी और मैं अगले टी20 विश्व कप के लिए इसी तरह की टीम को देखना चाहता हूं, कोई भी उनसे जीतने की उम्मीद नहीं करेगा लेकिन वह टीम भविष्य के लिए होगी। सहवाग ने इस दौरान किसी का नाम तो नहीं लिया, मगर उनका इशारा उन खिलाड़ियों पर है जिनकी उम्र 30 के पार पहुंच गई है। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, आर अश्विन, दिनेश कार्तिक समेत कुछ अन्य खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा यदि आप अभी अपने भविष्य के बारे में सोचना शुरू करते हैं, तभी आप दो साल के समय में एक टीम बना पाएंगे। मैं अगले विश्व कप में कुछ नॉन-परफॉर्मिंग सीनियर्स को नहीं देखना चाहता। मुझे उम्मीद है कि चयनकर्ता ऐसे निर्णय लेंगे। समस्या यह है कि क्या ये चयनकर्ता अगले विश्व कप तक रहेंगे? एक चयन पैनल होगा, नया प्रबंधन, नया दृष्टिकोण तो क्या वे बदलाव करेंगे? लेकिन एक बात निश्चित है कि अगर वे अगले विश्व कप में जाते हैं इसी टीम और इसी दृष्टिकोण के साथ, तो परिणाम भी यही होंगे।

# सेमीफाइनल में भारत की हार पर पहली बार बोले सचिन तेंदुलकर, एक मैच के आधार पर टीम का आकलन ठीक नहीं

**एडिलेड (एजेंसी)।**

टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के हाथों शर्मनाक हार झेलने के बाद भारत का खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया। 2007 के पहले टी20 विश्व कप में टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। तब कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। तब से टी20 विश्वकप का खिताब जीतना भारत के लिए सपना सा बनता जा रहा है। इन सबके बीच सेमीफाइनल में टीम इंडिया की हार पर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में सचिन तेंदुलकर ने साफ तौर पर कहा है कि एक मैच के आधार पर टीम के बारे में आकलन करना ठीक नहीं है। आपको बता दें कि टीम की हार पर लगातार आलोचना हो रही है। कप्तान और खिलाड़ियों को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। कई सवाल खड़े किए जा रहे हैं। यहां तक कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के लिए रिटायरमेंट की भी बात की जा रही है।

इन्हीं सबके बीच सचिन तेंदुलकर का यह बड़ा बयान सामने आया है। अपने बयान में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें स्वीकार करना चाहिए कि हम सेमीफाइनल में अच्छा स्कोर खड़ा नहीं कर पाए। गेंदबाजी भी बेहद निराशाजनक रही। इसके साथ ही उन्होंने साफ कहा कि सिर्फ इस मैच के आधार पर हमें टीम का आकलन नहीं करना चाहिए, हम नंबर-एक टी-20 टीम हैं जो हम लंबे समय तक अच्छा प्रदर्शन करने के बाद बन पाए हैं। इससे पहले भारती की हार पर उन्होंने अपने ट्वीट में कहा था कि एक सिक्के के दो पहलू होते हैं, वैसे ही जीवन के भी। अगर हम अपनी टीम की सफलता का जश्न अपनी सफलता की तरह मनाते हैं तो हमें अपनी टीम की हार को भी सहने में सक्षम होना चाहिए। जीवन में दोनों साथ-साथ चलते हैं।

### माइकल वॉन ने की थी आलोचना

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि भारत ने 2011 में घरेलू धरती पर विश्व कप जीतने के बाद कोई उपलब्धि हासिल नहीं की है और सीमित ओवरों की क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम रही है। वॉन ने कहा था कि उनके पास केवल पांच ही गेंदबाजी विकल्प कैसे हो सकते हैं जब 10 या 15 साल पहले भारत के सभी शीर्ष बल्लेबाज थोड़ी बहुत गेंदबाजी कर सकते थे - सचिन तेंदुलकर, सुरेश रैना, वीरेंद्र सहवाग और यहां तक कि सौरव गांगुली? उन्होंने कहा कि कोई भी बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं करता इसलिये कप्तान के पास केवल पांच ही विकल्प थे। उनके (भारत) गेंदबाजी विकल्प बहुत कम हैं, उनकी बल्लेबाजी में भी गहराई नहीं है और उनमें स्पिन रणनीति की भी कमी है।

## आप उनसे उम्मीद करते हैं, जो अच्छा कर सकते हैं, अब उन्हें चिढ़ाइए जिन्होंने मैच गंवा दिया: गंभीर

**नई दिल्ली।** भारतीय किक्रेट के प्रशंसकों की उम्मीदों को एक बार फिर बहुत बड़ा झटका लगा है। टीम इंडिया सेमीफाइनल में इंग्लैंड के साथ शर्मनाक हार के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले से बाहर हो गई है। सन 2007 में टी20 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम अबतक दूसरे खिताब के लिए तरस रही है। ब्लू आर्मी ने टी20 का पहला खिताब सन 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ जोहान्सबर्ग में जीता था। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम के दृष्टिकोण पर कई सारे सवाल खड़े हो रहे हैं। 2007 टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के खिलाड़ी गौतम गंभीर ने निराशा हाथ लगने के बाद ट्विटर पर एक पोस्ट किया। उन्होंने अपने ट्वीट में टीम इंडिया के प्रशंसकों से कहा आप केवल उनसे उम्मीद करते हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं! इसलिए अब आप उन खिलाड़ियों को चिढ़ाइए। एडिलेड ओवल में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था। टीम इंडिया की शुरूआत कुछ खास नहीं रही, और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल सस्ते में पवेलियन चलते बने। इसके बाद मैदान में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया।

## परवीन ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण, मीनाक्षी को रजत

सकें। अभी तक रेफरी को दिया जाने वाला वेतन बहुत कम है। राज्य लीग में एक रेफरी को 2500 से 5000 रुपये और राष्ट्रीय लीग में 8000 से 10,000 रुपये तक मिलते हैं। यह सालाना ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपये होते हैं जिसमें जीवन यापन कठिन रहता है। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि रेफरी के स्तर में तभी सुधार किया जा सकता है। जब रेफरी को पर्याप्त पैसा मिले जिससे वह अपने प

## इंग्लैंड के खिलाफ मैच में युजवेंद्र चहल को मौका नहीं देना टीम प्रबंधन की बड़ी गलती : रणधीर सिंह

**नई दिल्ली।** टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के मुकाबले भारतीय टीम की शर्मनाक हार के बाद कई दिग्गज अपनी-अपनी राय दे रहे हैं। इंग्लैंड ने नॉकआउट मुकाबले में भारत को 10 विकेट से पराजित कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम का पोस्टमार्टम शुरू हो चुका है। कहा जा रहा है कि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को एडिलेड में क्यों मौका नहीं दिया गया। इस मुद्दे पर चहल के कोच रणधीर सिंह ने भी टीम मैनेजमेंट पर निशाना साधा है। दरअसल, युजवेंद्र चहल को पूरे वर्ल्ड कप में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं दिया गया। जबकि आर अश्विन, अक्षर पटेल को पूरे मैचों में मौका दिया गया। टीम मैनेजमेंट ने चहल को एक भी मुकाबले में प्रयोग नहीं किया। वहीं, इंग्लैंड की टीम ने आदिल रशीद को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया और वह भारत के लिए खतरनाक साबित हुए। कहा जा सकता है कि सेमीफाइनल मुकाबले में युजवेंद्र चहल इंग्लैंड के लिए घातक साबित हो सकते थे। चहल के कोच ने अपने बयान में कहा चहल को प्लेइंग इलेवन में शामिल न करना टीम मैनेजमेंट का फैसला है। प्रबंधन वही फैसला लेता है जो टीम के हित में हो और बेस्ट कॉम्बिनेशन खिलाता है। जहां तक चहल की बात है, तो ऑस्ट्रेलिया में ग्राउंड्स बड़े होते हैं। चहल बैटर्स को रीड करके फ्लाइट करता है। वह एक्स फैक्टर साबित हो सकता था। बाकी टीमों ने लेग स्पिनर्स को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया।

# आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार हुआ और लंबा

**– आईसीसी ट्रॉफी को जीते हुए भारतीय टीम को हो गए 9 साल**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम की हार के बाद उसके आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार और लंबा खींच गया है। भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने मात देकर विश्व कप से बाहर कर दिया। आईसीसी ट्रॉफी जीते हुए भारतीय टीम को 9 साल हो गए हैं। उसके बाद से टीम इंडिया को पिछले 8 साल में 7 बार नॉकआउट में हार मिली है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है क्या टीम इंडिया नई 'चोकर्स' टीम बनती जा रही है?टीम इंडिया के सेमीफाइनल में प्रदर्शन को लेकर चौतरफा आलोचना हो रही है। लोग अब इसे नई 'चोकर्स' टीम बता रहे हैं। इनमें दिग्गज कपिल देव भी शामिल हैं। विश्व विजेता टीम के कप्तान रहे कपिल देव भी टीम इंडिया के प्रदर्शन से निराश हैं।

कपिल देव ने भी माना कि हम इन्हें चोकर्स कह सकते हैं। 'चोकर्स' उस टीम को कहा जाता है जो बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में यह टैग साउथ अफ्रीका की क्रिकेट टीम के पास है जो वैसे तो द्विपक्षीय या किसी अन्य टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करती है लेकिन आईसीसी के टूर्नामेंट में आते ही यह टीम बड़े मैच का दबाव नहीं झेल पाती है।टीम इंडिया की बात करें तो, भारत ने आखिरी बार साल 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम किया था। टीम इंडिया ने तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में फाइनल में इंग्लैंड को हराया था।

इसके बाद से भारतीय टीम 2014 में टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी जहां उसे हार मिली। 2015 वनडे विश्व कप में भारत ने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था वहीं साल 2016 में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई थी। साल 2017 में टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी जहां पाकिस्तान से हार मिली थी जबकि 2019 में वनडे विश्व कप में वह सेमीफाइनल का टिकट कटाया था। पिछले साल 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इस साल 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत को हार मिली। मौजूदा टी20 विश्व कप में भारत ने सुपर 12 राउंड में 5 में से 4 मैच जीतकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था लेकिन नॉकआउट मुकाबले में उसे करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा।

## आईपीएल के बाद कोई खिताब नहीं जीती है भारतीय टीम

**लाहौर ।** पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय खिलाड़ियों का मजाक उड़ाते हुए पूछा है कि उन्हें आईपीएल खेलने से कोई लाभ मिला या नहीं। अकरम ने कहा,'सबको लगा था कि आईपीएल से इंडिया को बहुत फर्क पड़ेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब से आईपीएल शुरू हुआ है। इंडिया ने एक बार भी टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीता है। तो क्या फर्क पड़ता है। मैंने एक साक्षात्कार में सुना था कि इनके खिलाड़ी एक भी विदेशी लीग नहीं खेलते. अगर इनको एक लीग खेलने की अनुमति मिल भी जाए, तो क्या फर्क पड़ेगा इनके रुख में।'

आपको बता दें कि बीसीसीआई के नियम के अनुसार भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी किसी भी विदेशी लीग जैसे बिग बैश लीग, कैरिबियन प्रीमियर लीग आदि में भाग नहीं ले सकते हैं।

## थापा ने एशियाई चैंपियनशिप में जीता रजत

**अम्मान।** भारतीय मुक्केबाज शिवा थापा ने एएसबीसी एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2022 में रविवार को रजत पदक हासिल किया। थापा का सामना पुरुषों के 63.5 किग्रा फाइनल में उज़्बेकिस्तान के अब्दुल्लाएव से था, लेकिन बाउट के दौरान थापा को चोट लगने के कारण रेफ़री ने मुकाबला रोक दिया। रजत पदक जीतने वाले थापा चैंपियनशिप के 2022 संस्करण में भारत के सबसे सफल पुरुष मुक्केबाज हैं, जबकि इससे पहले भारत के पांच पुरुष मुक्केबाज कांस्य पदक जीत चुके हैं।

## टी20 विश्व कप की जीत से हमारी फुटबॉल टीम को फीफा विश्व कप में मिलेगी प्रेरणा: बटलर

**मेलबर्न।** इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर का कहना है कि अगर उनकी टीम रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में जीत जाती है तो यह प्रदर्शन फीफा विश्व कप में उनके देश की टीम को प्रेरित करेगा। बटलर ने कप्तान के तौर पर अपनी पहली वैश्विक प्रतियोगिता में टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचा दिया है। यह पूछने पर कि क्या देश की फुटबॉल टीम क्रिकेट टीम से प्रेरणा ले सकती है तो मृदुभाषी कप्तान ने कहा,''बिलकुल, मुझे निश्चित रूप से ऐसी उम्मीद है।' उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड की संस्कृति में खेल इतना अहम हिस्सा है और विश्व कप में टीमों को समर्थन देना इंग्लैंड में काफी होता है। आप भी निश्चित रूप से इस समर्थन को महसूस कर सकते हो।' इंग्लैंड फीफा विश्व कप में ग्रुप बी में ईरान, वेल्स और अमेरिका के साथ शामिल है।

## ब्राजील अगले माह कतर में होने वाले विश्व कप फुटबाल में छठी बार बनेगा चैम्पियन: पेले

रियो डी जेनेरियो । फुटबॉल में जीते जी किंवदंती बने पेले ने भविष्यवाणी की है कि ब्राजील अगले माह कतर में होने वाले विश्व कप में छठी बार चैम्पियन बनेगा। ब्राजील ने 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में अपराजित रहते हुए शीर्ष पर रहकर विश्व कप में जगह बनाई थी। ब्राजील ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे अर्जेंटीना से छह अंक आगे रहा था। 82 वर्षीय पेले ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि ब्राजील एक बार फिर फुटबाल विश्व कप ट्रॉफी जीतेगा।' ब्राजील ने आखिरी बार विश्व कप 2002 में जीता था। वह अपने अभियान की शुरुआत 24 नवंबर को सर्बिया के खिलाफ करेगा। इस ग्रुप में स्विट्जरलैंड और कैमरून भी शामिल हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों में से एक पेले तीन बार विश्व कप जीतने वाले दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं।

# लवलीना, परवीन, स्वीटी और अल्फिया को एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), परवीन हुड्डा (63 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अल्फिया खान (81 किग्रा से अधिक) ने जॉर्डन के अम्मान में चल रही एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शुक्रवार को स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और 75 किग्रा भार वर्ग में पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही लवलीना ने उज्बेकिस्तान की रुजमेतोवा सोखीबा पर 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की जबकि परवीन ने जापान की किटो माई को इसी अंतर से हराया। इसके बाद स्वीटी और अल्फिया ने क्रमशः कजाकिस्तान की गुलसाया येरजान और जॉर्डन की इस्लाम हुसैली को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

स्वीटी ने येरजान को आसानी से हराया जबकि अल्फिया की प्रतिद्वंद्वी पहले राउंड में अयोग्य घोषित किये जाने के कारण बाहर हो गई। दूसरी तरफ मीनाक्षी ने एशियाई चैम्पियनशिप में पदार्पण पर अपना अभियान फ्लाईवेट वर्ग (52 किग्रा) में रजत पदक जीतकर समाप्त किया। यह जीत 25 वर्षीय लवलीना के लिए मनोबल बढ़ाने वाली रही क्योंकि तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद वह खराब फॉर्म में चल रही थी।

वह विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में शुरू में ही बाहर हो गई थी। असम की यह मुक्केबाज 69 किग्रा से 75 किग्रा में खेलने लगी थी क्योंकि उनका पिछला भार वर्ग पेरिस ओलंपिक में शामिल नहीं है। दोनों मुक्केबाजों ने सहज शुरुआत की और एक दूसरे को हमला करने के लिए आमंत्रित किया लेकिन लवलीना ने जल्द ही कुछ दमदार मुक्के जमाकर अपना दबदबा कायम कर दिया। इसके बाद दोनों ने एक दूसरे के हमले से बचने का भी प्रयास किया।

लवलीना हालांकि कुछ करारे मुक्के जड़ने में सफल रही। उनका एक मुक्का इतना जबरदस्त था कि रेफरी को सोखीबा के लिए गिनती गिननी पड़ी। लवलीना का एशियाई चैम्पियनशिप यह तीसरा पदक है। उन्होंने 2017 और 2021 में वेल्टरवेट वर्ग में कांस्य पदक जीते थे। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाई थी लेकिन उन्होंने यहां चौथी वरीयता प्राप्त माई के खिलाफ दबदबा बनाए रखा और सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त परवीन ने जल्द ही दबदबा बना दिया और अपनी प्रतिद्वंदी पर दनादन कई मुक्के जड़े।

पहला राउंड गंवाने के बाद माई ने वापसी की कोशिश की लेकिन परवीन पूरी तरह से तैयार थी और उन्होंने उसे कोई मौका नहीं दिया। भारतीय मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में अपने अपर कट का अच्छा

नमूना पेश किया। मीनाक्षी पूरी कोशिश के बावजूद स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की किनोशिता रिंका से विभाजित फैसले में 1-4 से हार गयीं। दूसरी वरीय जापानी खिलाड़ी के खिलाफ मीनाक्षी की शुरूआती धीमी रही जबकि प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज ने इस भारतीय की सुस्ती का पूरा फायदा उठाया और पांच में से चार जज का फैसला अपने पक्ष में कराया।

दूसरे दौर में भी मीनाक्षी सटीक मुक्के नहीं जड़ सकीं जबकि जापानी मुक्केबाज ने सही जगह पर मुक्के जड़कर अंक बटोरे और अच्छा बचाव किया। अंतिम तीन मिनट में मीनाक्षी ने शानदार वापसी की और मुक्कों के अच्छे तालमेल से अंक जुटाये जिससे उन्हें 1-4 से हार मिली।

# पूर्व विधायक ने भाजपा के सभी पदों से दिया इस्तीफा, निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान

**अहमदाबाद।**
गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और आप समेत राजनीतिक दलों ने राज्य की 182 सीटों में से ज्यादातर सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कई सीटों पर राजनीतिक दलों को जबर्दस्त नाराजगी का भी सामना कर पड़ रहा है। भाजपा ने दो दिन पहले 160 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। जिसके आज भाजपा और 6 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। जबकि 16 सीटों पर पेंच फंसा हुआ है। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कई जगह भाजपा में असंतोष व्याप्त है। कई टिकटवांछु और उनके समर्थक नाराज हैं। इस बीच भाजपा नेता और जूनागढ़ जिले के केशोद निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक अरविंद लाडाणी ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी में हो रही उपेक्षा से नाराज होकर अरविंद लाडाणी ने भाजपा से इस्तीफा दिया है। केशोद विधानसभा सीट के लिए वे प्रबल दावेदार थे, लेकिन टिकट ना मिलने की वजह से अरविंद लाडाणी ने भाजपा से इस्तीफा देकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को लिखे अपने त्यागपत्र में अरविंद लाडाणी ने कहा कि मैं 198 3 से भाजपा के साथ जुड़ा हूं और पूरी निष्ठा के साथ काम करता रहा हूं। पार्टी ने मुझे जो कोई भी जिम्मेदारी सौंपी उसे निष्ठापूर्वक पूरा किया है। पार्टी को मैंने अपनी माता मान कर काम किया है। अगर कोई त्रुटी रह गई हो तो पार्टी से क्षमा मांगता हूं। वर्तमान समय में काफी दुख के साथ मैं भाजपा के सामान्य सदस्य से समेत सभी पदों से मुझे मुक्त करने का अनुरोध करता हूं। दूसरी ओर अमरेली जिले की सावरकुंडला से महेश कसवाला को उम्मीदवार बनाए जाने से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता नाराज हैं। सावरकुंडला से महेश कसवाला के नाम की घोषणा के बाद पूर्व कृषि मंत्री वीवी वघासिया के कार्यालय में बैठक हुई। जिसमें दावेदारों और कार्यकर्ताओं को विश्वास में लिए बगैर सावरकुंडला

का उम्मीदवार घोषित करने पर चर्चा की गई। भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने महेश कसवाला के खिलाफ असंतोष जताया है।

# मैं अलग मिट्टी का खिलाड़ी हूं, लड़ाकर भागने वालों में से नहीं : नितिन पटेल

**मेहसाणा।**
गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। गुजरात में 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को दो चरणों में मतदान होना है और उससे पहले भाजपा, कांग्रेस और आप समेत अन्य सियासी दलों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव ना लड़ने का फैसला किया है और इसके लिए पार्टी हाईकमांड को पत्र भी लिखा है। जिसके बाद पार्टी हाईकमांड ने ऐसे वरिष्ठ नेताओं के बजाए अन्य चेहरों को उम्मीदवार घोषित किया है। चुनाव ना लड़ने का फैसला करने वाले नेताओं ने भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने का फैसला किया है। इन नेताओं ने गुजरात के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन पटेल भी शामिल हैं। आज मेहसाणा से भाजपा उम्मीदवार मुकेश पटेल के चुनाव प्रचार के दौरान नितिन पटेल ने कहा कि मैं अलग मिट्टी का खिलाड़ी हूं, जो लड़ाकर भाग जानेवालों में नहीं है।

उन्होंने कहा कि मैं मेहसाणा छोड़कर भागने वाला नहीं हैं। चुनाव लड़ाकर भाग जाने वाले नेता अलग होते हैं। नितिन पटेल ने कहा कि मैं प्रदेश भाजपा पार्लामेन्ट्री बोर्ड का सदस्य हूं और हमने 18 2 उम्मीदवारों के नामों पर मंथन किया था। जिसके बाद ये सूची केन्द्रीय पार्लामेन्ट्री बोर्ड को भेजी गई थी। उन्होंने कहा कि हमारे में से 90 प्रतिशत लोगों ने मुझे टिकट देने का अभिप्राय दिया था। लेकिन मेरे नाम की घोषणा हो उससे पहले ही मैंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। नितिन पटेल ने कहा कि मैंने चुनाव नहीं लड़ने का पार्टी हाईकमांड को पत्र लिखा था। जिसके बाद चुनाव नहीं लड़ने वाले वरिष्ठ नेताओं की कतार लग गई। विजय रूपाणी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

# कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता ने पीएम मोदी पर की अपमानजनक टिप्पणी

**अहमदाबाद।** हर गलती से सबक लेते हुए कोई उसे दोहराने का प्रयास नहीं करता। लेकिन कांग्रेस के नेता ऐसी गलतियां करने से बाज नहीं आ रहे और बार बार ऐसी टिप्पणियां कर देते हैं, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ता है। आज कांग्रेस के एक और दिग्गज नेता मधुसूदन मिस्त्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की है। मोदी के खिलाफ उनके गृह राज्य में की गई यह टिप्पणी कांग्रेस के लिए महंगी साबित हो सकती है। मधुसूदन मिस्त्री ने यह टिप्पणी आज उस वक्त की जब कांग्रेस गुजरात चुनाव को लेकर अपने घोषणा पत्र जारी कर रही थी। मिस्त्री की इस टिप्पणी से राजनीतिक तूफान आ सकता है। इससे पहले कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी करते हुए बेरोजगार युवाओं को रु. 3000 का मासिक भत्ता, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, 10 लाख रुपए तक मुफ्त उपचार, 300 यूनिट बिजली फ्री और किसानों का 3 लाख तक कर्ज माफ करने से समेत कई वादे किए। इसके अलावा अहमदाबाद स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम का नाम बदल कर सरदार पटेल स्टेडियम करने का कांग्रेस ने वादा किया। घोषणा पत्र के वादों का उल्लेख करते हुए मधुसूदन मिस्त्री ने पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। मिस्त्री ने कहा कि गुजरात विधानसभा के चुनाव में जनता पीएम मोदी को उसकी औकात दिखा देगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी चाहे जितना प्रयास कर लें वह सरदार पटेल नहीं बन पाएंगे। मिस्त्री के इस बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि यही कांग्रेस पार्टी का चरित्र है। वह देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का उपयोग कर रहे हैं। गुजरात की जनता उन्हें सबक सिखाएगी।

# टिकट न मिलने से नाराज मधु श्रीवास्तव ने बनाई समिति, बतौर निर्दलीय लड़ सकते हैं चुनाव

**वडोदरा।**
भाजपा ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली और दूसरी सूची जारी कर दी है। जिसमें 166 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। पहली सूची में 160 और आज जारी दूसरी सूची में 6 प्रताशियों की भाजपा ने घोषणा की है। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कई सीटों पर नेता और कार्यकर्ता विरोध कर रहे हैं। इनमें से एक सीट है वडोदरा के वाघोडिया की। वाघोडिया सीट से लगातार चुनाव जीतने वाले मधु श्रीवास्तव का भाजपा ने टिकट काट दिया है। टिकट नहीं मिलने से नाराज मधु श्रीवास्तव ने अपने समर्थकों की एक समिति बनाई है। संभावना है कि मधु श्रीवास्तव बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ सकते हैं। बुधवार को श्रीवास्तव ने चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया था। श्रीवास्तव ने कहा था कि अबकी बार वह नहीं बल्कि उनकी पत्नी चुनाव लड़ेगी। भाजपा ने मधु श्रीवास्तव का ही टिकट काट दिया है। जिससे नाराज मधु श्रीवास्तव ने अपने समर्थकों को लेकर एक समिति बनाई है। जो यह तय करेगी कि उन्हें चुनाव लड़ने चाहिए या किसी राजनीतिक दल को सपोर्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर मेरे समर्थक चुनाव लड़ने का कहेंगे तो उम्मीदवारी दर्ज करवाऊंगा। बता दें कि भाजपा ने अबकी बार वाघोडिया सीट से मधु श्रीवास्तव का पत्ता काट दिया है और उनकी जगह पर मनीषा वकील को चुनाव मैदान में उतारा है। टिकट कटने के बाद से नाराज मधु श्रीवास्तव अब अपनी समिति के फैसले पर आगे बढ़ेंगे। वाघोडिया के अलावा वडोदरा की पादरा सीट से विधायक दिनेश पटेल उर्फ दिनु मामा का टिकट भी भाजपा ने काट दिया है। बरोडा डेयरी के चेयरमैन दिनेश पटेल ने टिकट कटने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। वडोदरा के अलावा मेहसाणा जिले की बेचराजी, विजापुर और विसनगर सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कार्यकर्ता नाराज हैं।

विजापुर और विसनगर में सीटिंग विधायक को रिपीट किए जाने से कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त आक्रोश है। कार्यकर्ताओं की मांग है कि विजापुर और विसनगर में नए चेहरों का अवसर दिया जाना चाहिए। ऋषिकेश पटेल को लगातार चौथी बार टिकट देने से कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। मेहसाणा जिला भाजपा के पूर्व प्रमुख जशु पटेल ने विसनगर से निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव लड़ने का ऐलान भी कर दिया है।

# गुजरात चुनाव :10 लाख नौकरियां, 300 यूनिट मुफ्त बिजली समेत कांग्रेस ने किए कई वादे

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है और भाजपा, कांग्रेस व आप समेत राजनीतिक दल अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुके हैं। शनिवार को कांग्रेस ने घोषणा पत्र जारी किया और गुजरात में जनता की सरकार बनने का दावा करते हुए प्रदेशवासियों से 8 महत्वपूर्ण समेत कई वादे किए हैं। जिसमें 300 यूनिट बिजली फ्री, रु. 500 में गैस सिलिंडर, बेरोजगारों को भत्ता और रु. 10 लाख तक मुफ्त उपचार और दवाइयों का कांग्रेस ने वादा किया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, गुजरात प्रभारी रघु शर्मा, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर, शक्तिसिंह गोहिल समेत पार्टी नेताओं ने 'बनेगी जनता की सरकार' नाम से घोषणा पत्र जारी किया। जगदीश ठाकोर ने कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में 125 सीटें जीतकर सरकार बनाने का दावा किया। इस मौके पर अशोक गहलोत ने कहा कि देश की परंपरा रही है कि एक बार शिलान्यास और नामकरण होने के बाद वह बदलता नहीं है। लेकिन भाजपा ने जो नाम बदलने की परंपरा शुरू की है वह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरदार सम्मान ग्रुप के कार्यकर्ताओं ने मुझसे मिलकर नरेन्द्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर पुनः सरदार पटेल करने की मांग की है। आप की राजनीति पर अशोक गहलोत ने कहा कि केजरीवाल केवल भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए गुजरात आए हैं। पंजाब में जीत के बाद उन्होंने हिमाचल प्रदेश में फोकस किया था, लेकिन हिमाचल में कहीं भी आप नजर नहीं आ रही। आप को बताना चाहिए कि वह हिमाचल प्रदेश से क्यों बाहर निकल गई। आप को यह भी बताना चाहिए कि उसका भाजपा के साथ क्या सेटिंग हुआ है। कांग्रेस के चुनाव मैदान में उतरते ही गुजरात से आप गायब हो चुकी है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में गुजरात में अपनी सरकार बनने पर रु. 500 में गैस सिलिंडर, नागरिकों से वसूले जाते टेक्स में 20 प्रतिशत की कटौती, सभी नदियों की सफाई, स्कूल फीस में 20 प्रतिशत की कटौती, 300 यूनिट बिजली फ्री, शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यापारीकरण पर रोक, दूध उत्पादकों को प्रति लीटर रु. 5 की सब्सिडी, सरकारी नौकरियों में कोन्ट्रेक्ट पद्धति खत्म करने, पिछले 2। साल में हुए सभी भ्रष्टाचार के मामलों के खिलाफ विशेष कानून, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को जेल भेजना, बेटियों को केजी से पीजी तक की शिक्षा मुफ्त, कर्मचारियों की मांगों का निपटारा, पुरानी पैंशन योजना लागू करना, मछुआरों को 3 लाख तक का कर्ज माफ, नागरिकों को 10 लाख तक मुफ्त उपचार और दवाइयां, 10 लाख जितनी सरकारी नौकरियों की भर्ती, 50 प्रतिशत नौकरियों में महिलाओं का प्राथमिकता, अंग्रेजी माध्यम की 3 हजार जितनी स्कूलें शुरू करना, सेना अकादमी शुरू करना, गुजरात को प्रदूषण मुक्त बनाने का एक्शन प्लान, मोटेरा स्टेडियम का नाम बदलकर पुनः सरदार पटेल स्टेडियम करना, पेपर लीक के खिलाफ कानून बनाना, कोरोना के मृतकों को रु. 4 लाख का मुआवजा, विधवा, वृद्ध और जरूरतमंद महिलाओं को प्रतिमाह रु. 2000 भत्ता, संतुलित औद्योगिक नीति बनाना, सिरामिक इंजीनियरींग, कपड़ा और हीरा उद्योग के लिए स्पेशल क्लस्टर, बंदरगाह, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, बारहमासी बंदरगाहों का विकास का वादा किया गया है।

# एकल अभियान खेल महोत्सव 2022 का शुभारंभ पुलिस आयुक्त ने ध्वजारोहण कर किया

**सूरत भूमि, सूरत।** एकल अभियान वनबंधु परिषद एवं तासी वैली एजुकेशन फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित गुजरात सम्भाग स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का सूरत महानगर पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने ध्वजारोहरण कर शुभारंभ किया। खिलाड़ियों द्वारा मशाल थाम कर और अपने-अपने अंचलों का ध्वज थाम कर फ्लैग मार्च पास्ट किया। इस प्रतियोगिता में गुजरात सम्भाग के तापी, डांग नर्मदा, भरूच, महिसागर, दाहोद, हिम्मतनगर, पंचमहाल एवं छोटाउदेपुर जिलों में ग्राम स्तर पर हुई प्रतियोगिताओं से चयनित 288 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में चयनित खिलाडी जनवरी, 2023 में लखनऊ में होने वाली

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में कबड्डी, कुश्ती, लम्बी कूद, ऊंची कूद और दौड़ को शामिल किया गया है।

पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने कहा कि एकल वनबंधु परिषद द्वारा वनवासी बच्चों की प्रतिभाओं को गांव से निकाल एक मंच देने का अति सराहनीय काम किया जा रहा है। उन्होंने एकल अभियान के इस प्रयास को अद्वितीय बताया।

कल सभी प्रतियोगिताओं का फ़ाइनल होने के पश्चात समापन समारोह वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी के कुलपति की उपस्थिति में होगा। वनबंधु परिषद के मंत्री श्रीनारायण पेड़ीवाल ने सभी जानकारी प्रदान की।

# "कला की निजी प्रस्तुति का अर्थ है परमोत्सव": मोरारीबापु

**तलगाजरडा।**
पू. मोरारीबापू का गृहनगर तलगाजरडा हर साल अपने पिता पूज्य प्रभुदासबापू की पुण्यतिथि के अवसर पर सामूहिक विवाह और संतवाणी पुरस्कार का आयोजन करता है। साल 2010 से शुरू हुआ यह सफर आज भी जारी है। आज 15वां पुरस्कार समारोह 10-11-22 को चित्रकूटधाम तलगाजरडामें संपन्न हुआ।

पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए पूज्य मोरारीबापू ने कहा कि भजन एक उच्चारण नहीं बल्कि एक कार्य है। इसलिए हम सरकार के सभी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हैं। त्योहारों पर नृत्य किया जाता है, बुद्ध पुरुषों की उपस्थिति में महोत्सव आयोजित किया जाता है और परमोत्सव वह जगह है जहां आप अपने स्वयं के आनंद के लिए कला प्रस्तुत करते हैं। तलगजरदा विश्व की सभी कलाओं का स्वागत करता है। हनुमानजी कला से प्रसन्न हैं और हम इस उपक्रम के साथ उस दिशा में जाते हैं। आज के पुरस्कार समारोह में सरगेकावंदना घोघवदार के महंत पूज्य शामलदास बापू, भजनिक-श्री खेतशीभाई काकुभाई गढ़वी-कच्छ, तबला-हर्षदभाई रावल जूनागढ़, वायलिन बैंजो-आनंदभाई मकवाना मोरबी, मंजीरा परबतभाई पटेल चमारदी बाबर को नारे लगाकर सम्मानित किया गया। अभिनंदन किया। चित्रकूटधाम तलगाजरडा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित सामूहिक विवाह में आज सुबह कुल 12 बेटियों का विवाह हुआ और इसमें पूरे गांव ने भाग लिया। संतवानी आराधना के जुलूस में गायिका ललिता घोडादरा, परसोतमपरी मबापू, शैलेश महाराज, रामदास गोंडालिया और जयश्री माताजी ने अपने भाषण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सौराष्ट्र के विभिन्न प्रांतों के संत-महंत और 100 से अधिक लोक कलाकार मौजूद थे. कार्यक्रम का संचालन श्री हरिश्चंद्रभाई जोशी ने किया तथा व्यवस्था एवं समन्वय श्री जयदेव मांकड़ ने किया।

# गुजरात चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की दूसरी सूची, और 6 उम्मीदवारों की घोषणा

**अहमदाबाद।**
गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज दूसरी सूची जारी की है। जिसमें 6 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। 6 में से 2 महिला उम्मीदवार हैं। इसी के साथ भाजपा के महिला उम्मीदवारों की संख्या 16 हो गई है। भाजपा की पहली सूची में 160 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। जिसमें 14 महिलाओं को टिकट दिया गया था। आज 6 और नामों के ऐलान के साथ भाजपा अब तक अपने 166 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के आज घोषित उम्मीदवारों में महेन्द्र पाडलिया को धोराजी, मूलु बेरा को खंभालिया, ढेलीबेन माधाभाई ओडेदरा को कुतियाणा से, सेजल राजीवकुमार पंड्या को भावनगर से, देडियापाडा (सु) से हितेश देवजी वसावा और संदीप देसाई को चौर्यासी से टिकट दिया गया है। इन 6 सीटों में कुतियाणा को छोड़ अन्य पांच सीटों पर भाजपा ने नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है। चौर्यासी सीट से झंखना पटेल का टिकट काटकर संदीप पड्या को उम्मीदवार

बनाया है। भावनगर पूर्व से विभावरी दवे का टिकट काटकर सेजल पंड्या को उम्मीदवार घोषित किया है। पिछले चुनाव में भी इस सीट से ब्राह्मण महिला को टिकट दिया गया था और इस बार भी ब्राह्मण महिला को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। वहीं पोरबंदर की कुतियाणा सीट पर पहले रमेश ओडेदरा के नाम की चर्चा थी। लेकिन भाजपा ने महिला उम्मीदवार ढेलीबेन ओडेदरा को चुनाव मैदान में उतारा है। कुतियाणा सीट से एनसीपी के टिकट पर कांधल जाडेजा चुनाव लड़ते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा और राष्ट्रपति के चुनाव में कांधल जाडेजा का रुख भाजपा की ओर होने से एनसीपी ने अब तक उनके नाम का ऐलान नहीं किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)